पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

जाह्नवी कपूर के हाथ लगा गोल्डन चांस

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का

लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 44 ■ अंक : 153 ■ बुधवार 3 सितंबर 2025 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com Google Play

GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel Subscribe

संपादक – हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

TDR खरीद-बिक्री पर आयुक्त ने लगाई रोक

उल्हासनगर मनपा नगर नियोजन विभाग विवादों में

उल्हासनगर. उल्हासनगर मनपा के नगर नियोजन विभाग में हुए टीडीआर घोटाले को लेकर राज्य नगरीय विकास विभाग के प्रमुख सचिव असीम गुप्ता और उल्हासनगर मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले के बीच हुई बैठक में टीडीआर घोटाले के मामले में उल्हासनगर में टीडीआर की खरीद-बिक्री पर रोक लगाने का आदेश जारी किया गया है। इसी तरह, मनपा को चूना लगाकर टीडीआर की खरीद-बिक्री करने वाले निर्माण पेशेवरों की संबंधित परियोजनाओं को भी निलंबित करने के निर्देश दिए गए हैं। इस मामले में पहले से ही विवादों में घिरे उल्हासनगर नगर नियोजन विभाग के अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

रिपोर्ट सौंपने के बावजूद कदाचार का कोई उल्लेख नहीं

उल्हासनगर में प्रहार संगठन के अधिवक्ता स्वप्निल पाटिल ने इस संबंध में मूल शिकायत मनपा आयुक्त के साथ-साथ नगर नियोजन निदेशक और राज्य नगरीय विकास विभाग को भी दर्ज कराई थी। हालाँकि, लगातार शिकायतों के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई और अंततः प्रहार संगठन के अध्यक्ष और पूर्व राज्य मंत्री बच्चू कडू और हितेश जाधव से शिकायत की गई। इसलिए बच्चू कडू ने इस संबंध में नगरीय विकास विभाग के प्रमुख सचिव असीम कुमार गुप्ता और नगर आयुक्तों के साथ एक बैठक आयोजित की। पुणे नगर नियोजन निदेशक ने उल्हासनगर में टीडीआर मामले में गड़बड़ी की रिपोर्ट दी थी। हालाँकि,मनपा आयुक्त ने नगर विकास विभाग को दी गई रिपोर्ट में ऐसा कुछ भी उल्लेख नहीं किया।

स्वप्निल पाटिल के खिलाफ झूठा मामला

घोटाले के इन सभी मामलों का पता चलने के बाद, उल्हासनगर के वकील स्वप्निल पाटिल को इस मामले में अनुचित रूप से प्रताड़ित किया गया। उनके खिलाफ जबरन वसूली का मामला भी दर्ज किया गया। हालाँकि, पुलिस आयुक्त स्तर पर जाँच के बाद, ठाणे पुलिस ने एक रिपोर्ट प्रस्तुत की जिसमें बताया गया कि दर्ज जबरन वसूली का मामला झूठा है। इसलिए, अब सबकी नज़र इस बात पर है कि इस मामले में उल्हासनगर महानगर पालिका के नगर नियोजन विभाग के दोषी अधिकारियों के खिलाफ क्या कार्रवाई की जाती है।

आरसीसी-डीआरसी जाँच होने तक रोक का आदेश

पूर्व राज्य मंत्री बच्चू कडू ने संबंधित दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी थी। अंततः, मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले ने टीडीआर की खरीद-बिक्री पर रोक लगा दी। उन्होंने आरसीसी-डीआरसी जाँच पूरी होने तक टीडीआर की खरीद-बिक्री पर पूरी तरह से रोक लगाने का आदेश भी जारी किया।

शिवसेना शाखा को लेकर शिंदे-ठाकरे गुट में ठनी

■ ठाकरे गुट ने कार्यालय में बैनर फाड़ने वालों के खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग की

उल्हासनगर. उल्हासनगर मराठा सेक्शन की केंद्रीय शिवसेना शाखा कार्यालय को पूर्व नगरसेवक शेखर यादव के पार्टी में शामिल होने के बाद शिंदे सेना के पदाधिकारियों ने अपने कब्जे में ले लिया। साथ ही, कार्यालय में लगे ठाकरे सेना के बैनर भी फाड़ दिए गए। इस पर आपत्ति जताते हुए ठाकरे सेना के पदाधिकारियों ने कार्यालय पर कब्जा कर लिया और पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे से बैनर फाड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

उल्हासनगर मराठा सेक्शन में पार्टी के केंद्रीय शाखा कार्यालय का उद्घाटन शिवसेना प्रमुख बालासाहेब ठाकरे ने किया था। पार्टी विभाजन के बाद, यह शाखा कार्यालय ठाकरे सेना के नियंत्रण में है और पार्टी का कामकाज इसी शाखा से संचालित होता था। इस बीच, स्थानीय पूर्व नगरसेवक शेखर यादव, संगीता सपकाले और अन्य पदाधिकारी दो दिन पहले ठाणे में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की उपस्थिति में शिंदे सेना में शामिल हो गए। इसके बाद, शिंदे सेना के पदाधिकारियों ने रात में मराठा सेक्शन की केंद्रीय शिवसेना शाखा कार्यालय पर कब्ज़ा कर लिया और पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे और युवा नेता आदित्य ठाकरे की तस्वीरें हटा दीं। साथ ही, कुछ लोगों ने शाखा कार्यालय पर लगे ठाकरे सेना के बैनर भी फाड़ दिए।

ठाकरे सेना के जिला प्रमुख धनंजय बोडारे, उप जिला प्रमुख राजेंद्र शाहू, शहर प्रमुख कैलाश तेजी, नेता राधाचरण करोतिया, शिवाजी जावले, राजेंद्र वेलकर, शहर उप प्रमुख दिलीप मिश्रा, महिला पदाधिकारी और शिवसैनिक सोमवार को मराठा सेक्शन स्थित केंद्रीय शाखा कार्यालय पहुँचे और घटना का विरोध किया।

बैनर फाड़ने की घटना का विरोध...

जिला प्रमुख धनंजय बोडारे ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि केंद्रीय शाखा कार्यालय, पार्टी का स्थानीय शिवसेना भवन है। दो दिन पहले, उन्होंने शाखा कार्यालय पर कब्ज़ा करने और बैनर फाड़ने की घटना का विरोध किया और पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे से मिलकर पूरी घटना बताई। उन्होंने बैनर फाड़ने और पार्टी नेताओं के फोटो उतारने वालों के खिलाफ कार्रवाई की भी मांग की। शिवसेना के मराठा शाखा स्थित केंद्रीय शाखा कार्यालय में शिंदे सेना और ठाकरे सेना के आमने-सामने होने की संभावना है। जिला प्रमुख धनंजय बोडारे ने बताया कि ठाकरे सेना के पदाधिकारी पहले की तरह केंद्रीय कार्यालय में बैठकर नागरिकों की समस्याओं का समाधान करेंगे।

उल्हासनगर मनपा प्रभाग रचना की घोषणा आज

उल्हासनगर. आगामी होने जा रहे महानगरपालिका चुनाव हेतु राज्य के करीब सभी मनपाओं के प्रभाग रचना की घोषणा हो चुकी है केवल उल्हासनगर मनपा की घोषणा ही शेष थी ऐसे में खबर मिली है कि आज बुधवार 3 सितंबर को प्रभाग रचना जारी की जाएगी। 3 से 8 सितंबर के बीच आगामी चुनाव के प्रभाग रचना की रूपरेखा के दौरान सुझाव व आपत्तियां भी ली जाएंगी। 9 से 18 सितंबर के बीच सुझाव व आपत्ति पर सुनवाई होगी।

ज्ञात हो कि उल्हासनगर मनपा के चुनाव इस बार भी पैनल पद्धति से ही होंगे। 4 वार्डों को जोड़कर एक पैनल बनाया जाएगा। अब आज यह तय होगा कि कितने वार्डों की बढ़ोत्तरी हुई है। और वार्डों की सीमा में कितना बदलाव है इसका बड़ा असर दबंग उम्मीदवारों पर देखने को मिलेगा।

सातवें दिन 49 हज़ार गौरी-गणपति प्रतिमाओं का विसर्जन

कल्याण. ठाणे जिले में मंगलवार को बड़ी संख्या में गणेश और गौरी प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया. मंगलवार को 34 हज़ार गणेश प्रतिमाओं और 15 हज़ार गौरी प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया. इसमें 173 सार्वजनिक गणेश प्रतिमाएँ और 34 हज़ार 294 घरेलू गणेश प्रतिमाएँ शामिल रहीं. इस वर्ष गौरी के आगमन की तिथि देर से आने के कारण, गौरी का विसर्जन सात दिवसीय गणेशोत्सव के साथ ही किया गया.

गणेशोत्सव और गौरीपूजन महाराष्ट्र के हर घर में आस्था और भक्ति के साथ मनाई जाने वाली दो महत्वपूर्ण परंपराएँ हैं। गणेशोत्सव मुख्य रूप से दस दिनों का माना जाता है। हालाँकि, कुछ परिवारों में डेढ़, पाँच, सात दिन के गणपति की प्रथा अभी भी जारी है। इसके साथ ही गौरीपूजन भी समान रूप से किया जाता है। आमतौर पर, गौरी गणेशोत्सव के तीसरे दिन आती हैं और दो दिनों की पूजा के बाद उनकी विदाई होती है। हालाँकि, इस वर्ष पंचांग के अनुसार गौरी के आगमन की तिथि देर से आई है। इस वर्ष गौरी का आगमन गणेशोत्सव के पाँचवें दिन हुआ है। इसलिए, इस वर्ष सात दिवसीय गणपति और गौरी का विसर्जन एक ही दिन हुआ.

क्षेत्रवार विसर्जन आँकड़े

क्षेत्र	सार्वजनिक	निजी	गौरी
1) ठाणे	22	5400	1782
2) भिवंडी	30	7013	888
3) कल्याण	56	8518	6502
4) उल्हासनगर	31	5025	4485
5) वागले एस्टेट	34	8338	1670

ठाणे पुलिस आयुक्तालय में ठाणे, भिवंडी, कल्याण-डोंबिवली, अंबरनाथ और बदलापुर शहर शामिल हैं। इन शहरों में कुल 34 हज़ार 467 गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया और इसके साथ ही 15 हज़ार 327 गौरी प्रतिमाओं को विदाई भी दी गई. पारंपरिक पूजा-अर्चना के बाद, ढोल-नगाड़ों की ध्वनि के साथ, ₹गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस जल्दी आओ₹ जैसे नारे लगाते हुए, ढोल-नगाड़ों की ध्वनि के साथ, पारंपरिक वेशभूषा में भक्त मूर्तियों का विसर्जन किया गया. हर साल की तरह इस साल भी प्रशासन ने बड़े पैमाने पर विसर्जन की व्यवस्था की गई थी. इस साल कुल 134 स्थानों पर विसर्जन की व्यवस्था की गई, जिनमें 23 कृत्रिम झीलें, 77 टाकी विसर्जन प्रणालियाँ, 15 मोबाइल विसर्जन केंद्र, 9 खाड़ी घाट विसर्जन प्रणालियाँ और 10 मूर्ति स्वीकृति केंद्र शामिल हैं।

उल्हासनगर से मराठों के लिए भोजन की व्यवस्था

उल्हासनगर. मनोज जरांगे-पाटिल के अनशन को उल्हासनगर का सकल मराठा समाज भी समर्थन दे रहा है। आज़ाद मैदान में अनशन के लिए पहुँचे लगभग 600 मराठा बंधुओं के लिए उल्हासनगर शहर से शाकाहारी बिरयानी, वेफर्स और पानी की बोतलें उपलब्ध कराकर एकता, त्याग और एकीकरण का एक सशक्त संदेश दिया है। सकल मराठा समाज की इस पहल ने आंदोलन में भाग लेने वाले बंधुओं को ऊर्जा और समर्थन दिया और यह धारणा बनी है कि समाज एकीकरण की भावना के साथ एकजुट है। इस धर्मार्थ कार्यक्रम में प्रोफेसर वी. वी. पाटिल, ज्ञानेश्वर करवंदे, अन्नासाहेब खटोड़े, सुदेश पाटिल, सुधीर कन्हेरे, सुनीता गवाने, राजू माने, भरत मोटकर, रवींद्र मिंडे और अरुण पाटिल सहित मराठा समुदाय के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

बदलापुर में वार्ड संरचना पर 88 आपत्तियां दर्ज

बदलापुर. आगामी नगर निकाय चुनावों की पृष्ठभूमि में घोषित वार्ड संरचना के मसौदे पर बड़ी संख्या में आपत्तियाँ दर्ज की गई हैं। अंबरनाथ में जहां 102, वहीं बदलापुर में 88 आपत्तियाँ दर्ज की गई हैं। इन सभी आपत्तियों और सुझावों पर सुनवाई जल्द ही पूरी हो जाएगी। सुनवाई और प्रतिक्रिया के बाद ही अंतिम वार्ड संरचना तय की जाएगी।

राज्य में इस साल के अंत तक नगर पालिका चुनाव होने की संभावना है। इसके मद्देनजर प्रशासनिक स्तर पर गतिविधियाँ तेज़ हो गई हैं। इस संबंध में, अंबरनाथ और कुलगाँव बदलापुर नगर पालिकाओं की वार्ड संरचना के मसौदे की घोषणा 18 अगस्त को की गई। कुलगांव बदलापुर नगर पालिका में घोषित 24 वार्डों पर कुल 88 आपत्तियाँ दर्ज की गई हैं। इनमें से 16 आपत्तियाँ वार्ड क्रमांक 3 और 4 से दर्ज की गई हैं। एक आपत्ति यह है कि वार्ड क्रमांक तीन का गठन अजीबोगरीब तरीके से किया गया है। जबकि वार्ड क्रमांक दो बदलापुर पश्चिम के मोहनानंद नगर से शुरू होकर उल्हास नदी पार करते हुए सीधे एरंजाड, सोनीवली और बदलापुर गाँवों की सीमा तक जाता है। कल्याण उप-विभागीय अधिकारी एवं प्राधिकृत अधिकारी विश्वास गूजर की अध्यक्षता और मुख्य अधिकारी मारुति गायकवाड़ की उपस्थिति में गुरुवार को इन आपत्तियों पर सुनवाई होगी।

अंतिम वार्ड संरचना जल्द

अंबरनाथ और बदलापुर दोनों नगर पालिकाओं की सभी आपत्तियों की सुनवाई पूरी होने के बाद, उनकी प्रतिक्रिया नगरीय विकास विभाग को भेजी जाएगी। इसके बाद, वरिष्ठ अधिकारी सभी आपत्तियों और सुझावों की जाँच करेंगे और आवश्यक परिवर्तन करते हुए अंतिम वार्ड संरचना की घोषणा करेंगे, ऐसा प्राधिकृत अधिकारियों ने बताया है।

उल्हासनगर मनपा की 68 सेवाएं हुई ऑनलाइन

■ उल्हासनगरवासियों को एक क्लिक पर मिलेगी सार्वजनिक सेवाएँ

उल्हासनगर. नागरिकों की भागदौड़, चक्कर और कागजी कार्रवाई अब खत्म हो जाएगी। महाराष्ट्र लोक सेवा अधिनियम 2015 के तहत, उल्हासनगर मनपा ने 68 सेवाओं को नागरिकों के द्वार तक ऑनलाइन पहुँचा दिया है। पारदर्शिता, दक्षता और समयबद्धता का संगम, यह पहल वास्तव में शहर के नागरिकों के लिए 'डिजिटल पहुँच' लेकर आई है। मनपा नागरिकों को पारदर्शी और समय पर सेवाएँ प्रदान करने में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल कर रहा है। इसके तहत, 'आपले सरकार' पोर्टल पर कुल 52 सेवाएँ उपलब्ध कराई गई हैं, और शेष 16 सेवाएँ सीधे मनपा की वेबसाइट से नागरिकों के लिए उपलब्ध कराई गई हैं।

■ नागरिकों के लिए घर बैठे सुविधाएँ

इन सेवाओं में जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र, संपत्ति कर संबंधी सुविधाएँ, लाइसेंस, प्रमाण पत्र जैसी विभिन्न महत्वपूर्ण सरकारी सेवाएँ और आवश्यक दस्तावेज़ों की सूची शामिल है। प्रत्येक सेवा के लिए निर्धारित समय-सीमा और शुल्क निर्धारित किया गया है। इससे नागरिकों को सरकारी कार्यालयों में जाए बिना घर बैठे ही ऑनलाइन सेवाएँ मिल जाएँगी।

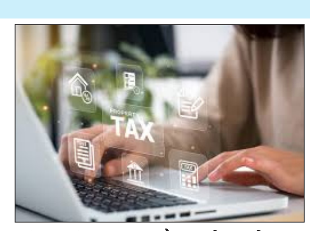

■ विदेश में रहने वाले नागरिकों को भी लाभ

विशेष रूप से, विदेश में रहने वाले नागरिक भी स्व-सत्यापित दस्तावेज़ जमा करके इन सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। सेवाओं का लाभ उठाने के साथ-साथ, नागरिक व्हाट्सएप चैट बॉट (9309716243) के माध्यम से आवेदन की वर्तमान स्थिति, आवेदन प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज़ और शुल्क की जानकारी भी 24 घंटे, सप्ताह में 7 दिन आसानी से प्राप्त कर सकेंगे। ये सभी सेवाएँ महानगर पालिका की वेबसाइट पर 'महाराष्ट्र लोक सेवा अधिकार अधिनियम 2015' लिंक के माध्यम से उपलब्ध हैं।

उपायुक्त विशाखा मोटघरे ने कहा कि यह पहल नागरिक-हितैषी प्रशासन में एक नया अध्याय होगी। नागरिकों के समय पर काम पूरा करने के अधिकार को सुरक्षित किया जाएगा। उल्हासनगर महानगरपालिका की इस पहल से शहर डिजिटल लोक सेवा की ओर बढ़ रहा है और 'एक क्लिक पर लोक सेवा' का सपना अब साकार होगा.

प्रशासन और नागरिकों के बीच की दूरी हो रही कम

'नागरिकों के द्वार तक सार्वजनिक सेवाएँ पहुँचाना हमारी ज़िम्मेदारी है। महाराष्ट्र लोक सेवा अधिकार अधिनियम, 2015 के अंतर्गत उल्हासनगर मनपा की 68 सेवाओं को ऑनलाइन उपलब्ध कराना नागरिक-उन्मुख प्रशासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। पारदर्शिता, दक्षता और समयबद्धता इस पहल की खूबियाँ हैं। अब उल्हासनगर निवासियों को घर बैठे ही प्रमाण पत्र, प्रमाणपत्र, लाइसेंस जैसी सेवाएँ आसानी से मिल जाएँगी। डिजिटल माध्यमों से प्रशासन और नागरिकों के बीच की दूरी कम हो रही है और 'एक क्लिक में सार्वजनिक सेवाएँ' की अवधारणा साकार हो रही है।

– **मनीषा आव्हाले** (आयुक्त, उल्हासनगर मनपा)

कैम्प-4 में लूट की वारदात का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

उल्हासनगर. 22 अगस्त की शाम करीब 6:30 से 7 बजे के बीच 27 वर्षीय अजय कुमार शामल गौतम अपने दोस्त के साथ रिक्शा से श्रीराम चौक से उल्हासनगर 5 जा रहे थे कि उल्हासनगर 4 सरकारी प्रसूति अस्पताल के पास 'रियल टच' दुकान के सामने आरोपियों ने रिक्शा रोका और मामूली कहासुनी पर शिकायतकर्ता के साथ गाली-गलौज और मारपीट की। इसके बाद आरोपियों ने चाकू का भय दिखाकर शिकायतकर्ता और उसके साथी से 21,000 रुपये की नकदी जबरन लूट ली। इतना ही नहीं आरोपियों ने रिक्शा चालक को भी चाकू दिखाया और स्टेशन की ओर भाग गए। इस गंभीर अपराध के लिए विट्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया। ज्ञात हो कि इसी स्थान पर इसी तरह की लूट पहले भी हो चुकी है।वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अशोक कोली के मार्गदर्शन में क्राइम डिटेक्शन टीम ने सीसीटीवी फुटेज और गुप्त सूचना के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू की। पुलिस ने उल्हासनगर-4 स्थित सर्टिफाई स्कूल के सामने मैदान में जाल बिछाकर आरोपी संजय रतन राठौड़ को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से लूटे गए 21,000 रुपये और एक चाकू बरामद किया गया है। आरोपी को 1 सितंबर की सुबह गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया। अदालत ने उसे 3 सितंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है। उल्हासनगर में हुई इस घटना से नागरिकों में भय का माहौल है और पुलिस की त्वरित कार्रवाई की सराहना हो रही है.

डिजिटल गिरफ्तारी के नाम पर धोखाधड़ी

■ 3 लाख की ठगी

उल्हासनगर. आपके आधार कार्ड का इस्तेमाल करके एक व्यक्ति ने 81 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की है। अब आपको गिरफ्तार किया जाएगा। पुलिस आपको पीटेगी। आपके पैरों में कीलें ठोंकेगी और आपको बर्फ के ढेर पर सुलाएगी। ऐसा झूठ बोलकर एक व्यक्ति को तुरंत अपने खाते में 3 लाख रुपये ट्रांसफर करने के लिए कहा गया। इस मामले में उल्हासनगर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

पिछले कुछ वर्षों में, डिजिटल गिरफ्तारी के प्रकार बढ़ गए हैं। आपके नाम पर पार्सल में कुछ विवादास्पद वस्तुएँ आई हैं। आपके पार्सल में ड्रग्स मिले हैं। आपके खाते में बड़ी मात्रा में काला धन आने का

दावा करके लोगों को वित्तीय जाल में फंसाने के कई झूठे मामले सामने आए हैं। उल्हासनगर में भी ऐसी ही एक घटना सामने आई है। आरोपी ने यहाँ एक व्यक्ति को अपने मोबाइल नंबर 61409265027 पर कॉल किया और उसके मोबाइल नंबर 9885793942 पर व्हाट्सएप कॉल करके कहा कि वह मुंबई पुलिस से बोल रहा है। उसे झूठी जानकारी दी गई कि नरेश नाम के एक व्यक्ति ने शिकायतकर्ता के मोबाइल नंबर और आधार कार्ड नंबर का इस्तेमाल करके 81 करोड़ रुपये की ठगी की है। इस मामले में शिकायतकर्ता को गिरफ़्तार करने की धमकी भी दी गई।

आरोपियों ने शिकायतकर्ता को पीटने, उसके पैरों में खूँटियाँ ठोंकने और बर्फ़ के ढेर पर सुलाने की धमकी भी दी। इससे बचने के लिए, उसे सेंट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया के अरमान मंसूरी के खाते में 3 लाख रुपये ट्रांसफर करने पड़े। ठगी का एहसास होने पर, शिकायतकर्ता उल्हासनगर पुलिस स्टेशन पहुँचा। इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है और आरोपियों की तलाश जारी है।

नांदिवली रोड स्थित कबूतरखाने को लेकर निवासी चिंतित

कल्याण. कबूतरों की बीट और पंखों से होने वाली बीमारियों को देखते हुए, अदालत के आदेशानुसार, मुंबई मनपा ने कबूतरों को दाना डालने वाले नागरिकों के खिलाफ मामला दर्ज करना शुरू कर दिया है। डोंबिवली पूर्व में नांदिवली रोड पर प्रगति कॉलेज के सामने पालिका जलकुंभ क्षेत्र में पिछले कई वर्षों से हजारों कबूतरों का आश्रय स्थल रहा है। कुछ दानदाताओं द्वारा इन कबूतरों को प्रतिदिन चार से पाँच कटोरा दाना डाला जाता है। इससे क्षेत्र के निवासियों को परेशानी हो रही है क्योंकि इस क्षेत्र में कबूतरों की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है।

जब से यह जागरूकता फैली है कि कबूतर ऐसी लाइलाज बीमारियों का कारण बनते हैं, नांदिवली रोड

क्षेत्र के निवासियों में बेचैनी है। एकता नगर नांदिवली रोड क्षेत्र में एक धार्मिक स्थल है। इस धार्मिक स्थल पर प्रतिदिन सुबह से ही भक्त आते हैं। जानवरों के प्रति दया दिखाने के लिए इस क्षेत्र में सुबह से ही कबूतरों को दाना डाला जाता है। दिन में एक इमारत की छत पर चार से पाँच कटोरों में दाना डाला जाता है। इस इलाके के निवासियों ने बताया कि खाना खाने के बाद ये सभी कबूतर इलाके की इमारतों की छतों, खिड़कियों और छतों पर बैठ जाते हैं।

इन कबूतरों के बढ़ते उत्पात को देखते हुए हमने खिड़कियों पर जालियाँ लगा दी हैं। अगर जाल थोड़ा सा भी खुला हो, तो कबूतर सीधे घर में घुस आते हैं। नांदिवली इलाके के निवासी इस मुद्दे पर खुलकर बोलने या शिकायत करने को तैयार नहीं हैं क्योंकि उन्हें डर है कि अगर उन्होंने महानगर पालिका या पुलिस स्टेशन में इन कबूतरों की शिकायत की, तो कुछ पशु प्रेमियों और भक्तों से उन्हें बेवजह परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। निवासियों का कहना है कि अगर बाहर जाते समय घर ठीक से बंद नहीं किया जाता है, तो कबूतर सीधे घर में ही अपना बसेरा बना लेते हैं।

मुंबई के दादर में कबूतरखानों पर प्रतिबंध लगाने के मुद्दे पर मुंबई मनपा प्रशासन आक्रामक हो गया है। नगर पालिका ने यहाँ खाना फेंकने वालों के खिलाफ मामला दर्ज करना शुरू कर दिया है। इसी तरह, कल्याण डोंबिवली नगर पालिका के आयुक्त और स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को नांदिवली रोड इलाके का दौरा कर इस इलाके में कबूतरखाने का निरीक्षण करना चाहिए। इस क्षेत्र के नागरिकों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए, इन कबूतरों को शहर के बाहर विशेष सुविधाएँ प्रदान करने की माँग की जा रही है।

कल्याण पश्चिम रेलवे स्टेशन के आर्चिस बिल्डिंग क्षेत्र में सैकड़ों कबूतरों ने शरण ले रखी है। इस क्षेत्र में थोक अनाज मंडी है। इसलिए, कबूतर कई वर्षों से वाहनों से गिरे अनाज को चुगने के लिए इस क्षेत्र में शरण लेते रहे हैं। इस क्षेत्र के अन्य व्यवसायी इन कबूतरों की बढ़ती संख्या से चिंतित हैं। जब से उन्हें पता चला है कि कबूतरों की बीट और पंख लाइलाज बीमारियों का कारण बनते हैं, नागरिकों ने मांग शुरू कर दी है कि उनके घरों में समूह में रहने वाले कबूतरों को नियंत्रित किया जाए।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं। - वाल्मीकि

उल्हास विकास

संपादकीय

'एजुकेट गर्ल्स' ने पेश की मिसाल

समाज में लैंगिक समानता और बेहतर समाज के निर्माण के लिए लड़कियों का शिक्षित होना जरूरी है। एक लड़की का शिक्षित होना उसे स्वतंत्र रूप से निर्णय लेने तथा परिवार, समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान देने में सक्षम बनाता है। शिक्षा से वंचित लड़कियां न तो अपने अधिकारों को समझ पाती हैं और न ही उनके सामाजिक जीवन का स्तर ऊपर उठ पाता है। वे घरेलू कामकाज के दायरे में ही सिमट कर रह जाती हैं। बालिका शिक्षा को लेकर सरकार की ओर से कई योजनाएं लागू की गई हैं, लेकिन धरातल पर उनका प्रभाव व्यापक स्तर पर नजर नहीं आता है। मगर, इसकी पूरी जिम्मेदारी सिर्फ सरकार पर डालना भी उचित नहीं होगा। इसके लिए सामाजिक स्तर पर भी सामूहिक प्रयासों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। भारतीय गैर-सरकारी संस्था 'एजुकेट गर्ल्स' ने इस दिशा में सराहनीय कार्य किया, जिसके लिए उसे एशिया का नोबेल माने जाने वाले रेमन मैग्सेसे पुरस्कार से नवाजा गया है। इस संस्था की यह उपलब्धि सामाजिक क्षेत्र में कार्य करने वाले अन्य संगठनों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

यह बात सच है कि आज के आधुनिक दौर में भी हमारे समाज में ऐसी रूढ़िवादी सोच पल रही है, जो लड़कियों की शिक्षा को तवज्जो देने से रोकती है। खासकर ग्रामीण इलाकों में इस धारणा की बेड़ियों को तोड़कर लड़कियों को निरक्षरता के अंधेरे से बाहर निकालने और उनका शिक्षा के उजाले से साक्षात्कार कराने के लिए व्यापक स्तर पर प्रयास किए जाने की जरूरत है। 'एजुकेट गर्ल्स' संस्था ने इस तरह के सफल प्रयासों की एक नई मिसाल पेश की है। इस संस्था ने राजस्थान से शुरुआत करते हुए देशभर में सबसे जरूरतमंद समुदायों की पहचान की, स्कूल न जाने वाली लाखों लड़कियों को कक्षा में पहुंचाया और उन्हें उच्च शिक्षा एवं रोजगार पाने के सक्षम बनाया। ऐसे ही अन्य सामाजिक संस्थाओं और संगठनों को भी आगे आना चाहिए। सरकार को भी चाहिए कि बालिका शिक्षा को लेकर परिणामोन्मुख योजनाएं बनाई जाएं और उन्हें सही मायने में लागू किया जाए। क्योंकि, शिक्षा न केवल महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाती है, बल्कि एक बेहतर परिवार एवं समाज और राष्ट्र निर्माण में भी उनकी भूमिका सुनिश्चित करती है।

भारत तेजी से ग्लोबल इनोवेशन केंद्र के रूप में उभर रहा

भारत का उद्देश्य 2047 तक एक विकसित और समृद्ध राष्ट्र बनना है। इस परिवर्तन में टेक्नोलाजी की मुख्य भूमिका रहने वाली है, जिसका नेतृत्व आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक करेगी। भारत में आधार से लेकर यूपीआई तक डिजिटल सार्वजनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर ने व्यापक समावेशन की नींव तैयार कर दी है। आधार दुनिया का सबसे बड़ा बायोमीट्रिक आईडी सिस्टम है। इसने 100 करोड़ से अधिक नागरिकों को सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में सक्षम बनाया है। यूपीआई ने डिजिटल भुगतान में क्रांति ला दी है, जिसके तहत 2025 के पहले पांच महीनों में ही 101 लाख करोड़ रुपये से अधिक के लेन-देन हुए हैं।

इसरो और आईआईटी जैसे संस्थानों ने यह दिखाया है कि जब भारत निर्माण करता है, तो उसका लाभ पूरे विश्व को मिलता है। आईआईटी जैसे शिक्षा संस्थानों ने विश्व अर्थव्यवस्था में अनुमानित 300 से 400 अरब डालर का योगदान दिया है, पर इससे भी महत्वपूर्ण यह है कि इन संस्थानों ने भारत की जरूरत के अनुसार समस्या समाधान की संस्कृति का निर्माण किया है।

पेटेंट फाइलिंग में आईआईटी प्रमुख योगदानकर्ता के रूप में लगातार आगे बढ़ रहे हैं, जिससे शोध और इनोवेशन में उनकी भूमिका स्पष्ट होती है। ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स-2024 में भारत का स्थान 2015 में 81वें स्थान से बढ़कर 39वें स्थान पर आ गया है, जो इस गति को दर्शाता है। स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया और अटल

इनोवेशन मिशन जैसे अभियानों और मजबूत नीतियों के साथ भारत तेजी से एक ग्लोबल इनोवेशन केंद्र के रूप में उभर रहा है।

भारत में अगला बड़ा परिवर्तन एआई की ओर होगा। इसकी नींव इनोवेशन की संस्कृति द्वारा तैयार हो रही है। एआई ने हमारे सीखने, खेती करने, इलाज करने और शासन करने के तरीकों में परिवर्तन लाना शुरू कर दिया है, लेकिन इसकी वास्तविक सामर्थ्य इसमें निहित है कि हम इसका उपयोग कैसे करते हैं। हम एआई की मदद से केवल आउटपुट को ही बेहतर नहीं कर सकते, बल्कि असमानता को दूर करते हुए उपलब्धता और अवसरों का विस्तार भी कर सकते हैं।

एक्वाकनेक्ट और फाइलो जैसे स्टार्टअप एआई की मदद से किसानों को फसल की पैदावार बढ़ाने, पानी का प्रभावशाली उपयोग करने तथा लागत कम करके लाखों लोगों को खाद्य सुरक्षा प्रदान करने में मदद कर रहे हैं। मल्टी-लिंग्वल एआई चैटबाट और किसान ई-मित्र जैसे सरकारी अभियान किसानों को जलवायु परिवर्तन के कारण होने वाले फसल के नुकसान को कम करने में सहायता कर रहे हैं। आंध्र सरकार प्रोड्यूसर ट्रस्ट और एजेंटफोर्स की मदद से कृषि विधियों का विस्तार कर रही है। हेल्थकेयर के क्षेत्र में एम्स का एआई प्लेटफार्म कैंसर की तुरंत पहचान करने में सक्षम बना रहा है। एआई-संचालित टेलीमेडिसिन प्लेटफार्म ग्रामीण और शहरी हेल्थकेयर के बीच के अंतर को दूर कर रहे हैं, ताकि गुणवत्तायुक्त मेडिकल केयर की उपलब्धता सभी जगह बढ़ाई जा सके। शिक्षा में एआई भाषा की बाधा को दूर कर रही है और विस्तृत रूप से व्यक्तिगत लर्निंग संभव बना रही है। एंबाइब जैसे प्लेटफार्म एआई-संचालित व्यक्तिगत लर्निंग अनुभवों की मदद से शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति ला रहे हैं, वहीं स्पीकएक्स प्रोफेशनल्स और व्यवसायों के लिए संचार कौशल में सुधार ला रहा है, युवाओं को नौकरी के लिए तैयार कर रहा है तथा व्यावसायिक विकास कर रहा है। एआई की मदद से सरकारें नागरिक केंद्रित सेवाएं देने और नीति की कमियों को अधिक स्मार्ट तरीके से पहचानने में सक्षम बन रही हैं। ये संकेत हैं कि टेक्नोलाजी जब उद्देश्य के साथ विकसित होती है, तो वह जनकल्याण का शक्तिशाली साधन बन जाती है।

एआई भारत में विकास की समस्याओं को दूर कर सकती है, लेकिन इसके लिए एआई का हर व्यक्ति तक पहुंचना आवश्यक है। इसीलिए हमें केवल इनोवेशन पर नहीं, अपितु इन्फ्रास्ट्रक्चर, कौशल, नीति और विश्वास पर भी ध्यान केंद्रित करना जरूरी है। हमें डाटा कलेक्शन, स्टोरेज और विश्लेषण के लिए एक मजबूत सिस्टम की भी जरूरत है। अपनी विशाल आबादी की क्षमता का पूरा उपयोग करने के लिए भारत में डिजिटल परिवर्तन के एक विस्तृत एजेंडे को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

जहाँ भी जाइए, वहाँ एकता की खुश्बू फैलाइए।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

चीन में भारत के लिए बड़ी कूटनीतिक जीत

चीन के तियानजिन में संपन्न हुए शंघाई सहयोग संगठन के सम्मेलन यानी एससीओ के घोषणापत्र में जिस तरह साफ शब्दों में आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई की बात शामिल की गई, वह भारत की एक बड़ी कूटनीतिक जीत को दर्शाता है। दरअसल, आतंकवाद के मुद्दे पर भारत लगातार कुछ ताकतवर देशों से अपना पक्ष स्पष्ट करने की मांग करता रहा है। मगर कुछ देशों की ओर से प्रत्यक्ष तौर पर आतंकवाद की आलोचना, तो प्रच्छन्न रूप से इसे शह देने वालों के प्रति नरमी इस मुद्दे की जटिलता को बढ़ाता ही है।

इसीलिए भारत ने हर मौके पर आतंकवाद के खिलाफ अभियान चलाने और एकजुटता की अपील की। तियानजिन में हुए एससीओ सम्मेलन में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत पिछले चार दशकों से आतंकवाद का दंश झेल रहा है... हमें साफ तौर पर और सर्वसम्मति से यह कहना होगा कि आतंकवाद पर कोई भी दोहरा मापदंड स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि पहलगाम में आतंकी हमला न सिर्फ भारत पर था, बल्कि यह मानवता में विश्वास रखने वाले देशों और लोगों के लिए एक खुली चुनौती थी।

जाहिर है, अब एससीओ के घोषणापत्र में जिस तरह सभी सदस्य देशों की ओर से पहलगाम में आतंकी हमले

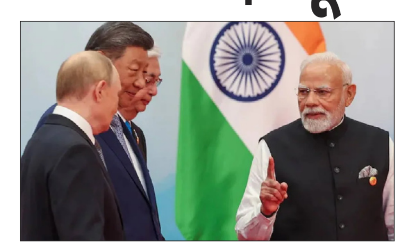

की निंदा की गई, वह भारत की चिंता को रेखांकित करती है। घोषणापत्र में यह भी कहा गया कि ऐसे आतंकी हमलों के दोषियों और उनके मददगारों को न्याय के कठघरे में लाया जाना चाहिए। एक जरूरी पहलू के रूप में इसमें आतंकवादियों की घुसपैठ को खत्म करने का आह्वान किया गया। गौरतलब है कि पिछले एससीओ सम्मेलन में इस मुद्दे को घोषणापत्र में शामिल करने पर सहमति नहीं बनी थी।

मगर अब एससीओ के सदस्य देशों ने आतंकवाद की समस्या पर भारत के पक्ष में अपनी संवेदनशीलता दिखाई और इसके खिलाफ अभियान चलाने को लेकर अपनी प्रतिबद्धता जताई। मगर सवाल है कि भारत में आतंकवाद की समस्या के स्रोत के रूप में अगर पाकिस्तान अपनी आदत से बाज नहीं आता है और दूसरी ओर चीन इसकी अनदेखी करता है तो इसे कैसे देखा जाएगा। यह छिपा तथ्य नहीं है कि पाकिस्तान स्थित ठिकानों से अपनी गतिविधियां संचालित करने वाले आतंकवादी संगठनों को पालने-पोसने वाला कौन है। इसके बावजूद चीन कई स्तर पर पाकिस्तान की मदद करता रहा है और इसी वजह से कई बार भारत के लिए बेहद असुविधाजनक स्थिति पैदा हो जाती है। अब खुद चीन की धरती पर ही अगर एससीओ सम्मेलन के घोषणापत्र में पहलगाम हमले और आतंकवाद की निंदा की गई है, तो यह प्रकारांतर से पाकिस्तान और उसका बचाव करने वाले देशों को दिया गया एक साफ संदेश भी है। तियानजिन में हुए एससीओ सम्मेलन को राष्ट्राध्यक्षों के स्तर पर और घरेलू कूटनीतिक बैठकों में सबसे अहम आयोजनों में से एक माना जा रहा है। यों भी, एससीओ की शुरूआत आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई और आर्थिक सहयोग को मजबूती देने के मकसद से ही हुई थी। इस लिहाज से देखें तो निश्चित रूप से सम्मेलन में शामिल देशों के दस वर्ष के विकास की रणनीति, सुरक्षा, अर्थव्यवस्था, आपसी संबंधों और सांस्कृतिक सहयोग के मुद्दे पर भी बहुस्तरीय सहमति बनी। मगर इसके घोषणापत्र में आतंकवाद के मुद्दे को जिस रूप में शामिल किया गया, उसे पाकिस्तान के लिए एक झटका, तो भारत के लिए बड़ी कूटनीतिक कामयाबी के तौर पर देखा जा सकता है।

हैदराबाद में मिल रहा है देश का सबसे बड़ा शाही नान

जरा हट के

हैदराबाद जो पहले से ही अपनी दुनिया-भर में मशहूर बिरयानी और ईरानी चाय के लिए जाना जाता है अब एक नए कलिनरी कारनामे से सुर्खियों में है. शहर के एक रेस्तरां ने एक ऐसा अनोखा व्यंजन पेश किया है जो न केवल अपने आकार बल्कि अपने स्वाद से भी सभी का दिल जीत रहा है यह है 27 इंच चौड़ा 'शाही नान' जो सोशल मीडिया पर बवाल काट रहा है.

इस विशालकाय नान को नान के बादशाह काके दी हट्टी नाम से प्रसिद्ध एक रेस्तरां द्वारा तैयार किया और परोसा जा रहा है. यह नान इतना बड़ा है कि जब इसे परोसा जाता है तो यह पूरी मेज पर छा जाता है अक्सर इसे चार या उससे अधिक लोगों के एकग्रुप द्वारा साझा करके खाया जाता है.

इस नान की खासियत सिर्फ इसका आकार ही नहीं है बल्कि इसका अनोखा स्वाद और बनावट भी है. इसे परंपरागत तंदूर

विधि से बनाया जाता है जिससे इसकी बाहरी परत सुनहरी और खस्ता हो जाती है जबकि अंदर का हिस्सा नरम और फूला हुआ रहता है. तैयार नान को पिघले हुए मक्खन से चुपड़ा जाता है, जो इसके स्वाद में एक अमीर और मखमली स्वादिष्टता जोड़ देता है. इसे आमतौर पर किसी स्वादिष्ट ग्रेवी वाली डिश, जैसे कि मुर्ग मखनी, दाल मखनी, या कोई रिच कोरमा, के साथ परोसा जाता है.

27 इंच चौड़ा विशालकाय नान हैदराबाद के किंग ऑफ नान काके दी हट्टी रेस्टोरेंट में मिलता है जो कोंडापुर में है.

जैसे ही इस शाही नान की तस्वीरें और वीडियोज सोशल मीडिया पर साझा किए गए तो यह तुरंत एक सोशल मीडिया सनसनी बन गया. फूड ब्लॉगर्स, इंफ्लुएंसर्स और आम भोजनप्रेमी हैदराबाद पहुंचे या इसके बारे में पोस्ट करने लगे ताकि इस अनोखे व्यंजन का अनुभव किया जा सके. यह शाही नान हैदराबाद के फूड में इनोवेशन और ग्रांडियर का प्रतीक बन गया है. यह सिर्फ एक डिश नहीं बल्कि एक शेयरिंग, एक्सपीरियंस और यादें बनाने का एक जरिया है.

खाना-खजाना

इंस्टेंट दही वड़ा

दही वड़ा सभी को पसंद होता है। लेकिन लोग समय कम होने के चलते इसे बनाने में हिचकिचाते हैं। हालांकि आप एक बार इंस्टेंट दही वड़े भी ट्राई कर सकती हैं। इसका स्वाद भी लाजवाब होता है।

सामग्री :

- ब्रेड स्लाइस 8
- दही दो कप
- भुना हुआ जीरा पाउडर एक छोटा चम्मच
- लाल मिर्च पाउडर आधा छोटा चम्मच
- हरी चटनी दो बड़े चम्मच
- इमली की मीठी चटनी दो बड़े चम्मच
- नमक स्वाद अनुसार
- तेल (तलने के लिए)

विधि :

ब्रेड स्लाइस को पानी में हल्का सा डुबोकर तुरंत निचोड़ लें। इसे गोल-गोल बॉल या वड़े का आकार दें। अब नॉन-स्टिक पैन पर हल्का तेल लगाकर इन वड़ों को शैलो फ्राई या डीप फ्राई कर लें। जब तक सुनहरे और करारे न हो जाएं।

अब दही में स्वाद अनुसार नमक डालकर अच्छे से फेंट लें। दही ठंडी होनी चाहिए, तभी स्वाद अच्छा आएगा। अब एक प्लेट में तले हुए वड़े रखें। ऊपर से फेंटा हुआ दही डालें। फिर हरी चटनी, इमली की मीठी चटनी डालें। ऊपर से भुना हुआ जीरा पाउडर और लाल मिर्च पाउडर छिड़कें। आप चाहें तो ऊपर से सेव और अनार के दाने डालकर भी गार्निश कर सकती हैं। अगर वड़े ज्यादा सॉफ्ट पसंद हैं तो तले हुए ब्रेड वड़ों को हल्के गुनगुने पानी में दो मिनट भिगोकर फिर निचोड़कर दही में डालें। इससे वड़े बहुत ही सॉफ्ट बनेंगे।

रात में ब्रश नहीं करते हैं 50% से ज्यादा भारतीय!

- **आज ही बदल लें आदत**
- **मिलेंगे 8 कमाल के फायदे**

क्या आप भी उन लोगों में से हैं जो दिन में सिर्फ एक बार ब्रश करते हैं? या रात में बिना ब्रश किए ही सो जाते हैं? अगर हां, तो आप अकेले नहीं हैं। इंटरनेशनल डेंटल जर्नल के मुताबिक, भारत में 50% से ज्यादा लोग रात में ब्रश नहीं करते हैं और यह आदत आपकी सेहत के लिए बहुत खतरनाक हो सकती है।

सोचिए, दिन भर हम जो कुछ भी खाते-पीते हैं, उसके छोटे-छोटे कण हमारे दांतों के बीच फंस जाते हैं। अगर हम इन्हें रात में साफ न करें, तो ये कण बैक्टीरिया के लिए दावत बन जाते हैं। ये बैक्टीरिया पूरी रात हमारे मुंह में पनपते हैं, जिससे दांतों में सड़न, कैविटी और मसूड़ों से जुड़ी कई गंभीर समस्याएं हो सकती हैं, लेकिन इस छोटी-सी आदत को बदलकर आप अपनी

ओरल हेल्थ को कई गुना बेहतर बना सकते हैं।

रात को ब्रश क्यों जरूरी है?

दिनभर में हम जो भी खाते-पीते हैं, उसके छोटे-छोटे कण दांतों के बीच फंस जाते हैं। जब हम रात को बिना ब्रश किए सो जाते हैं, तो ये कण और बैक्टीरिया दांतों पर जमा होकर एसिड बनाते हैं। यही एसिड दांतों की ऊपरी परत को घिसते हैं और कैविटी, मसूड़ों की सूजन और बदबू जैसी समस्याओं की शुरुआत होती है।

नींद के दौरान हमारी लार का बनना भी कम हो जाता है, जिससे मुंह का नेचुरल सफाई तंत्र धीमा हो जाता है। ऐसे में दांत और मसूड़े और भी ज्यादा असुरक्षित हो जाते हैं।

कैसे डालें आदत?

- सोने से पहले मोबाइल या टीवी बंद करने के बाद ब्रश करना अपने रूटीन का हिस्सा बनाइए।
- बच्चों को शुरू से रात को ब्रश करने की आदत सिखाइए।
- अगर देर रात स्नैक्स खाते हैं, तो बिना ब्रश किए कभी न सोएं।
- दांतों की सही देखभाल सिर्फ सुंदर मुस्कान के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे शरीर की सेहत के लिए भी जरूरी है। सुबह और रात, मतलब दिन में सिर्फ दो बार ब्रश करना, एक छोटी-सी आदत है जो आपको कैविटी, मसूड़ों की बीमारी और दर्दनाक इलाज से बचा सकती है।

रात को ब्रश करने के फायदे

अगर हम दिन में दो बार, यानी सुबह और रात को ब्रश करने की आदत डाल लें, तो कई गंभीर समस्याओं से बच सकते हैं। आइए जानते हैं कुछ जरूरी फायदे :

- **कैविटी से बचाव :** नियमित ब्रशिंग दांतों पर जमा भोजन और बैक्टीरिया को हटाकर दांतों को सड़ने से बचाती है।
- **ताजी सांसें :** रात का ब्रश सुबह की बदबूदार सांसों से बचाता है और दिनभर मुंह को ताजा रखता है।
- **मसूड़ों की सुरक्षा :** ब्रशिंग से प्लाक और टार्टर जमा नहीं होते, जिससे मसूड़ों की बीमारी और खून निकलने की समस्या नहीं होती।
- **दांतों को मजबूती :** फ्लोराइड टूथपेस्ट इनेमल को मजबूत बनाता है, जिससे दांत एसिड के असर से बचे रहते हैं।
- **दांत टूटने का खतरा कम :** साफ दांत और स्वस्थ मसूड़े दांतों की जड़ों को मजबूत रखते हैं।
- **महंगे और दर्दनाक इलाज से बचाव :** नियमित सफाई से रूट कैनाल, दांत निकालने या मसूड़ों के ऑपरेशन जैसी जरूरतें कम होती हैं।
- **ओवरऑल हेल्थ का ख्याल :** गंदे दांतों से बैक्टीरिया शरीर में फैलकर हार्ट और सांसों से जुड़ी बीमारियों का खतरा बढ़ाते हैं।
- **कॉन्फिडेंस और स्माइल :** सफेद और साफ दांत चेहरे की खूबसूरती बढ़ाते हैं और कॉन्फिडेंस से भरी मुस्कान देते हैं।

आज का राशिफल

मेष : कम प्रयास से ही कार्यसिद्धि होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। रोजगार में वृद्धि होगी। मित्रों की सहायता कर पाएंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। शेयर मार्केट में सोच-समझकर निवेश करें। कष्ट, भय, चिंता तथा तनाव का वातावरण बन सकता है। कुसंगति से हानि होगी।

वृषभ : दुष्टजनों से सावधान रहें, हानि पहुंचा सकते हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। कहीं से बुरी खबर मिल सकती है। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आय बनी रहेगी। भाइयों का सहयोग मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। आज के काम कल पर नहीं टालें। विवेक का प्रयोग करें। लाभ होगा।

मिथुन : जल्दबाजी में कोई भी लेन-देन न करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। फालतू खर्च होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। सट्टे व लॉटरी के चक्कर में न पड़ें। नौकरी में अधिकार बढ़ेंगे। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

कर्क : भाग्य का साथ मिलेगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर खर्च होगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। चिंता तथा तनाव में वृद्धि होगी। किसी अपरिचित व्यक्ति पर अंधविश्वास न करें। समय नेष्ट है। नकारात्मकता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी।

सिंह : शत्रु शांत रहेंगे। धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। मित्रों का सहयोग मिलेगा। नए कार्य प्रारंभ करने की योजना बनेगी। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। भाग्य का साथ रहेगा।

कन्या : संतान पक्ष से स्वास्थ्य तथा अध्ययन संबंधी चिंता रहेगी। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। कार्यशैली में परिवर्तन करना पड़ सकता है। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड मनोनुकूल लाभ देंगे।

तुला : थकान व कमजोरी रह सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। किसी धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति मनोनुकूल होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। सुख के साधनों की प्राप्ति हो सकती है। धन प्राप्ति सुगम होगी।

वृश्चिक : कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल बनेंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। प्रेम-प्रसंग में हड़बड़ी न करें। विवाद हो सकता है। नकारात्मकता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। युवक व युवती विशेष सावधानी बरतें। विवाद को बढ़ावा न दें। स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है।

धनु : कानूनी बाधा संभव है। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें। विरोधी सक्रिय रहेंगे। धनहानि किसी भी तरह हो सकती है। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ में वृद्धि होगी।

मकर : कोई ऐसा कार्य न करें जिससे अपमान हो। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। सुख के साधनों पर व्यय होगा। स्थायी संपत्ति में वृद्धि के योग हैं। प्रॉपर्टी के काम बड़ा लाभ दे सकते हैं। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। नौकरी में सुख-शांति रहेंगे। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें।

कुंभ : आंखों को रोग व चोट से बचाएं। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। मनोरंजक यात्रा की आयोजना हो सकती है। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। मित्र व संबंधियों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। कारोबार मनोनुकूल रहेगा। जोखिम न लें।

मीन : आज भाग्य का साथ मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। भागदौड़ रहेगी। जोखिम न लें। कष्ट, भय, चिंता तथा तनाव का वातावरण बन सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। वाणी पर नियंत्रण रखें। दूसरों के काम में हस्तक्षेप न करें। दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

अनार के छिलके की चाय बेहद चमत्कारी!

- **शरीर को पहुंचाती है गजब के फायदे**

अनार पोषक तत्वों से भरपूर एक फल है, जिसे सेहत के लिए वरदान माना जाता है. अनार खाने से शरीर को तमाम फायदे मिल सकते हैं. अधिकतर लोग अनार छीलकर इसके छिलके फेंक देते हैं, लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि अनार के छिलके भी सेहत के लिए कमाल होते हैं. अनार के छिलके भी औषधीय गुणों से भरपूर होते हैं. अनार के छिलकों से बनी चाय पीने से पेट की सेहत सुधर सकती है और स्किन पर निखार आ सकता है. अनार के छिलकों को आयुर्वेद में हार्ट हेल्थ के लिए बेहद चमत्कारी माना गया है. इसमें तमाम औषधीय गुण होते हैं.

हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो अनार के छिलके की चाय शरीर को डिटॉक्स करने का काम करती है. इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर में जमा टॉक्सिक एलीमेंट्स को बाहर निकालने में मदद करते हैं. यह लिवर को साफ करती है और पाचन को दुरुस्त बनाती है. अगर आप बार-बार बीमार पड़ते हैं, तो इस चाय को अपने डेली रूटीन में शामिल करनी चाहिए, क्योंकि यह इम्यूनिटी बढ़ाने में भी सहायक है. अनार के छिलके में टैनिन्स और पॉलीफेनोल्स जैसे तत्व होते हैं, जो सूजन कम करने और संक्रमण से बचाने में मदद करते हैं. यह चाय सर्दी, खांसी, गले

में खराश जैसी समस्याओं में भी राहत पहुंचा सकती है. इसके नियमित सेवन से मुंह के छाले और मसूड़ों की सूजन में भी आराम मिलता है.

अनार के छिलको की चाय का सेवन हार्ट हेल्थ के लिए भी लाभकारी माना जाता है. अनार के छिलकों में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करते हैं और ब्लड प्रेशर को सामान्य बनाए रखने में मदद करते हैं. साथ ही यह ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बनाकर दिल की बीमारियों के खतरे को कम करती है. अगर आप दिल की सेहत को लेकर सजग हैं तो इस घरेलू उपाय को जरूर अपनाएं. अनार के छिलके की चाय त्वचा और बालों के लिए भी वरदान जैसी है. इसके एंटी-बैक्टीरियल गुण त्वचा पर होने वाले दाने, मुंहासे और एलर्जी को कम करते हैं. यह त्वचा को भीतर से साफ करके नेचुरल ग्लो देती है.

बालों की सेहत के लिए भी अनार के छिलकों की चाय को फायदेमंद माना जाता है. यह चाय बालों की जड़ों को मजबूत करती है और डैंड्रफ जैसी समस्याओं को दूर करने में मदद करती है. इस चाय को बनाना भी बेहद आसान है. चाय बनाने के लिए आप अनार के सूखे छिलकों को पानी में उबालें, छानें और चाहें तो इसमें थोड़ा सा शहद या नींबू मिलाकर सेवन करें. रोज सुबह खाली पेट या शाम को पीने से ज्यादा लाभ मिलता है. हालांकि किसी भी घरेलू उपाय को अपनाने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लें.

बारिश में क्यों सूख जाते हैं पौधे?

अक्सर व्यक्ति अपने घर के आंगन को फूलों या अन्य पौधों से सजाने के लिए गमलों में सुंदर-सुंदर फूल-पौधे लगाते हैं. लेकिन, बरसात के समय उन्हीं फूल-पौधों में बारिश का अधिक पानी भरने से गलन जैसी समस्या उत्पन्न होने लगती है, जिससे पौधे कुछ ही दिनों में सूख जाते हैं.

जहां एक ओर पौधों के लिए बारिश खाद का काम करती है, वहीं दूसरी ओर अधिक पानी उन्हें खराब भी कर सकता है. इसलिए लगातार बारिश में पौधों को गलने से बचाने के लिए गमलों में सही जल निकासी सुनिश्चित करें.

ज़्यादा बारिश से मिट्टी में पोषक तत्व घुलकर नीचे चले जाते हैं, जिससे पौधों को आवश्यक पोषक तत्व नहीं मिल पाते और उनकी वृद्धि रुक सकती है. इससे उनकी जड़ें कमजोर हो जाती हैं और पौधा अपनी ज़रूरत के हिसाब से गहराई से पानी और पोषक तत्व नहीं ले पाता.

बारिश का पानी अक्सर गमले में जमा हो जाता है और बाहर नहीं निकल पाता. लेकिन, अगर आप पौधा लगाते वक्त मिट्टी में भूसी या नारियल का बुरादा मिलाएं, तो गमले का पानी मिट्टी से होता हुआ आसानी से नीचे निकल जाता है.

अक्सर देखने में आता है कि अधिक बारिश से घर के गमलों में पानी जमा हो जाता है. पानी जमा होने के कारण पौधों में गलन की समस्या बढ़ने लगती है. कई दिन तक धूप न मिलने पर पौधे कमजोर हो जाते हैं. इसलिए अपने पौधों को ऐसे स्थान पर रखें जहां बारिश का प्रभाव कम हो या फिर उन्हें हल्की धूप वाले स्थान पर रखें.

बारिश का अधिक पानी पौधों पर पड़ने से उनमें फंगस जैसी समस्या दिखाई देने लगती है. इससे बचाव के लिए पौधों की पत्तियों पर नीम के तेल का छिड़काव करें और फंगस से बचाव के लिए हल्दी-अदरक पाउडर का उपयोग करें.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

बुर्के वाली के प्यार में लुट गया युवक

अयोध्या. समय के साथ शातिर भी ठगी के नए-नए स्किल सीख रहे हैं। दरअसल, यूपी के अयोध्या में भी ठगी का एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जहां एक युवक ने इंस्टाग्राम पर मुस्लिम युवती बनकर गुजराती युवक को अपने झांसे में ले लिया। और उससे किस्तों में करीब डेढ़ लाख रुपये ऐंठ लिए। कई दिनों के चैटिंग के बाद मुलाकात की बारी आई। गुजराती युवक अपनी प्रेमिका से मिलने अयोध्या पहुंचा। उसके साथ दो दिनों तक घूमा भी। लेकिन राजस्थान जाने के बाद पता चला कि जिस बुर्का वाली गर्लफ्रेंड से वह प्यार करता है वह लड़की नहीं बल्कि लड़का है। आभासी दुनिया के इस खेल का खुलासा होने पर दोनों पक्ष ही नहीं बल्कि इसको सुनने और जानने वाला हर शख्स अवाक है।

बुजुर्ग दंपति पर गिरी दीवार, पत्नी की मौत

बदायूं. यूपी के बदायूं में हादसा हो गया है। तीन दिन से लगातार रुक-रुक कर हो रही बारिश की वजह से दीवार गिरने से बुजुर्ग दंपति चपेट में आ गए। इसमें महिला की मौत हो गई जबकि पति घायल हो गया। मामला इस्लामनगर थाना क्षेत्र के नसरौल गांव का है। यहां रहने वाले 75 साल के किशनपाल अपनी पत्नी दुलारो देवी 70 वर्ष के साथ कच्ची दीवार बनाकर उस पर पॉलीथिन डालकर रह रहे थे। बारिश की वजह से कच्ची दीवार अचानक गिर गई, जिसकी चपेट में दोनों आ गए। जब तक मोहल्ले और परिवार के लोगों ने दोनों को बाहर निकाला, तब तक दुलारो देवी की मौत हो चुकी थी। जबकि किशनपाल की हालत गंभीर होने पर उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी भी हालत नाजुक बताई जा रही है।

बुखार का कहर, युवती समेत तीन लोगों की मौत

बदायूं. यूपी के बदायूं में इन दिनों बुखार का कहर जारी है। सप्ताह भर से बुखार की चपेट में आए बुजुर्ग और युवती सहित तीन लोगों की इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना वजीरगंज ब्लॉक के एवं थाना कुंवरगांव क्षेत्र के गांव कालिया कजमपुर की। गांव में संक्रामक रोग फैल चुके हैं बुखार और डेंगू की चपेट में दर्जनों लोग हैं। पिछले सप्ताह भर से इलाज ले रहे तीन लोगों की वजीरगंज के अस्पताल में बुखार से मौत हो गई है। गांव निवासी छात्रा सुरभि उम्र 18 वर्ष पुत्री प्रेम नारायण तथा कल्लू 57 वर्ष पुत्र सुंदरलाल, रूपनदेवी 70 वर्ष पत्नी रामस्वरूप की सोमवार की रात इलाज के दौरान वजीरगंज के प्राइवेट अस्पताल में बुखार से मौत हो गई।

लड़की ने खुद को मारी गोली

प्रयागराज. यूपी के प्रयागराज में एक लड़की ने खुद को गोली मार ली है। लड़की को प्रयागराज के एसआरएन अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह घटना प्रयागराज के करेली के सेटियापुर में हुई है। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुटी है। उधर, उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ समेत यूपी के एक दर्जन से ज्यादा जिलों में बारिश जारी है। मौसम विभाग के अनुसार अगले 24 घंटों के दौरान लखनऊ समेत कई जिलों में सामान्य से भारी बारिश होने की सम्भावना है।

PM बोले- कांग्रेस-RJD ने मेरी मां को गाली दी

- यह देश की हर मां का अपमान, छठ मईया से माफी मांगें
- जहां मिलें विरोध कीजिए

पटना. बिहार के दरभंगा में 27 अगस्त को राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा के दौरान PM मोदी की मां को गाली दी गई थी। 7वें दिन PM मोदी ने सामने आकर गाली देने का जवाब दिया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा- बिहार में कुछ दिन पहले जो कुछ हुआ उसकी मैंने कल्पना नहीं की थी। बिहार में कांग्रेस के मंच से मेरी मां को गालियां दी गईं। ये गालियां सिर्फ मेरी मां का अपमान नहीं ये देश की मां-बहन, बेटी का अपमान है। पीएम ने कहा- इस घटना की जितनी पीड़ा मेरे दिल में है उतनी ही तकलीफ मेरे बिहार के लोगों के दिल में भी है। मैं आपसे अपना दुख साझा कर रहा हूं, ताकि मैं इस पीड़ा से झेल पाऊं।

गालियों पर भावुक हुए पीएम नरेंद्र मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को अपनी मां को याद करते हुए भावुक हो गए। उन्होंने कहा, 'मेरी मां ने हम सभी को अत्यधिक गरीबी में पाला। वे कभी अपने लिए नई साड़ी नहीं खरीदती थीं और हमारे परिवार के लिए हर पाई बचाती थीं। मेरी मां का तरह, मेरे देश की करोड़ों माताएं हर दिन तपस्या करती हैं। आप सब जानते हैं कि अब मेरी मां का शरीर तो इस दुनिया में नहीं है। कुछ समय पहले 100 साल की उम्र पूरी करके वो हम सबको छोड़कर चली गईं।' उन्होंने कहा कि मेरी उस मां को जिसका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है, जिसका शरीर भी अब नहीं है। मेरी उस मां को आरजेडी-कांग्रेस के मंच से भद्दी-भद्दी गालियां दी गईं। ये बहुत ही दुख, कष्ट और पीड़ा देने वाला है। उस मां का क्या गुनाह है कि उसे भद्दी गालियां सुना दी गईं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'एक गरीब मां की तपस्या, उसके बेटे की पीड़ा ये शाही खानदानों में पैदा हुए युवराज नहीं समझ सकते। ये नामदार लोग तो सोने-चांदी का चम्मच लेकर पैदा हुए हैं। देश और बिहार की सत्ता इन्हें अपने खानदान की विरासत लगती है। इन्हें लगता है कि कुर्सी इन्हें ही मिलनी चाहिए। लेकिन, देश की जनता जनार्दन ने एक गरीब मां के कामदार बेटे को आशीर्वाद देकर प्रधानसेवक बना दिया। ये बात नामदारों को पच नहीं रही है। कोई पिछड़ा, अति-पिछड़ा आगे बढ़ जाए, ये कांग्रेस को तो कभी बर्दाश्त नहीं हुआ है। इनको लगता है कि नामदारों का तो अधिकार है कामदारों को गालियां देना। इसलिए ये गालियों की झड़ी लगा देते हैं।'

हर दिन, हर क्षण देश के लिए काम किया: पीएम

नई दिल्ली में एक कार्यक्रम में बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा, 'आप सबको पता है कि मैं करीब 50-55 साल से समाज और देश की सेवा में लगा हूं। मैं राजनीति में बहुत देर से आया। मैंने हर दिन, हर क्षण अपने देश के लिए पूरी मेहनत से काम किया है और इसमें मेरी मां की बहुत बड़ी भूमिका रही है।' उन्होंने कहा कि मुझे मां भारती की सेवा करनी थी। इसलिए मुझे जन्म देने वाली मेरी मां ने मुझे अपने दायित्वों से मुक्त कर दिया था। उस मां के ही आशीर्वाद से मैं चल पड़ा था। इसलिए मुझे आज इस बात की पीड़ा है कि जिस मां ने मुझे देश सेवा का आशीर्वाद देकर भेजा, खुद से अलग करके मुझे जाने की इजाजत दी।

पाकिस्तान में बाढ़ अल्लाह का आशीर्वाद

- लोग बाल्टी में पानी जमा करें
- रक्षा मंत्री ने दिया ज्ञान

इस्लामाबाद. पाकिस्तान इस समय बाढ़ और बारिश की भारी मार झेल रहा है। देश के कई हिस्सों में बाढ़ ने भयंकर तबाही मचाई है। बाढ़ के कारण कई लोग अपने घर छोड़कर पलायन कर चुके हैं। इस संकट के बीच पाकिस्तानियों को ऐसी अजीब सलाह दी जा रही है, जिसे सुनकर लोग हैरान और परेशान हैं। दरअसल, पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक अटपटा बयान दिया है, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में ख्वाजा आसिफ कहते दिख रहे हैं कि पाकिस्तानियों को बाढ़ का पानी जमा कर लेना चाहिए।

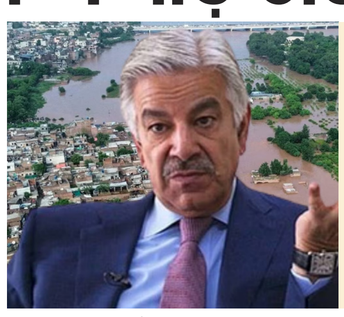

एक न्यूज चैनल ने ख्वाजा आसिफ से बाढ़ राहत के बारे में सवाल किया था। जवाब में उन्होंने कहा कि लोग इसे अल्लाह का आशीर्वाद मानें और पानी को अपने घरों में जमा करें। ख्वाजा ने कहा कि पूरी दुनिया में पानी की कमी से हाहाकार मचा है। ऐसे में पाकिस्तान में बाढ़ का आना एक सुखद संयोग है। इसे आपदा नहीं, बल्कि अल्लाह की कृपा समझना चाहिए।

बाढ़ और बारिश से त्रस्त लोग सड़कों पर उतरकर सरकार और प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। वे सड़कें जाम कर सरकार विरोधी नारे लगा रहे हैं। इस पर ख्वाजा ने कहा कि लोगों को पहले पानी जमा करने पर ध्यान देना चाहिए। पानी को अपने घरों में ले जाएं, इससे सारी समस्याएं खत्म हो जाएंगी। उन्होंने आगे कहा कि पानी जमा करने के लिए बड़े बांधों की जरूरत है, जो अभी संभव नहीं है। इसलिए लोग अपने घरों में ही पानी जमा करें।

ख्वाजा ने यह भी कहा कि बाढ़ रोकने का कोई सिस्टम सरकार के पास नहीं है। लोग बेवजह सरकार को इसके लिए जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि बाढ़ के लिए स्थानीय सरकार जिम्मेदार है, जो शक्तिहीन है। लोग अतिक्रमण कर रहे हैं और पानी का रास्ता बदल रहे हैं, जिससे बाढ़ आना निश्चित है।

पाकिस्तान में अब तक 854 लोगों की मौत

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) की रिपोर्ट के मुताबिक, 26 जून से 31 अगस्त तक पाकिस्तान में मरने वालों की संख्या 854 हो गई है और 1100 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। बाढ़ से पंजाब प्रांत के लगभग 20 लाख लोग सीधे तौर पर प्रभावित हुए हैं। पंजाब की सूचना मंत्री अजमा बुखारी ने कहा कि ऐसी बाढ़ पंजाब ने पहली बार देखी है। इस बार झेलम, चिनाब और रावी तीनों नदियां उफान पर हैं। पंजाब सरकार के अनुसार, बाढ़ से अब तक 41 लोगों की मौत हो चुकी है।

भाजपा का दावा- पवन खेड़ा के पास 2 वोटर आईडी

- कांग्रेस नेता बोले- यही सवाल हम EC से कर रहे, ये तो हमारी भाषा बोल रहे

नई दिल्ली. लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के भाजपा और चुनाव आयोग (EC) पर वोट चोरी के आरोप लगा रहे हैं। इसी बीच भाजपा ने दावा किया है कि कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के पास दो वोटर आईडी हैं।

भाजपा आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने मंगलवार को कहा कि खेड़ा का नाम जंगपुरा विधानसभा क्षेत्र (पूर्वी दिल्ली लोकसभा सीट) और नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र (नई दिल्ली लोकसभा सीट) की वोटर लिस्ट में है। मालवीय ने कहा- यह अब चुनाव आयोग के लिए जांच का विषय है कि आखिर पवन खेड़ा के पास दो वोटर आईडी कैसे हैं और क्या उन्होंने एक से ज्यादा बार मतदान किया। यह चुनावी कानून का खुला उल्लंघन है।

इन आरोप पर कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा, 'कांग्रेस यही सवाल तो चुनाव आयोग से कर रही है। चुनाव आयोग की प्रक्रिया और काम करने की कार्यशैली पर ही हम सवाल उठा रहे हैं।'

हिंसा के बाद पहली बार मणिपुर जाएंगे पीएम मोदी?

- शुरू हो गईं तैयारियां
- पुलिसकर्मियों की छुट्टियां कैंसल

इंफाल. मणिपुर में हिंसा शुरू होने के बाद से ही विपक्ष लगातार सवाल उठा रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अब तक मणिपुर क्यों नहीं गए। 13 सितंबर को पीएम मोदी मिजोरम के दौरे पर जा रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि वह मणिपुर का भी दौरा कर सकते हैं। मणिपुर के मुख्य सचिव पुनीत कुमार गोयल ने राज्य में एक वीवीआईपी के प्रस्तावित दौरे के संबंध में तैयारियों की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि 30 अगस्त को राज्य सचिवालय में हुई बैठक में मुख्य सचिव ने उपस्थित अधिकारियों से कहा कि 'वीवीआईपी के दौरे के लिए भव्य तैयारियों की जरूरत है।' उन्होंने बताया कि मुख्य सचिव ने पुलिस को इंफाल के कांगला और चुराचांदपुर जिले के पीस ग्राउंड में समारोह स्थलों पर 'ब्लू बुक के अनुसार सुरक्षा व्यवस्था' सुनिश्चित करने को कहा। 'ब्लू बुक' का मतलब है भारत सरकार का विशेष सुरक्षा मार्गदर्शिका, जिसमें वीवीआईपी की सुरक्षा के नियम और मानक दर्ज होते हैं।

उन्होंने बताया कि वीवीआईपी के प्रस्तावित दौरे के दौरान नवनिर्मित सचिवालय और अन्य पूरी हो चुकी परियोजनाओं का उद्घाटन किया जा सकता है। इस बीच, मणिपुर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ने 30 अगस्त को सभी पुलिस अधीक्षकों और क्षेत्राधिकारियों को जारी आदेश में कहा कि 'सात से 14 सितंबर तक ड्यूटी की अनिवार्यता को देखते हुए अत्यधिक आपात स्थिति को छोड़कर इस अवधि के दौरान किसी भी अधिकारी/कर्मचारी को कोई छुट्टी नहीं दी जानी चाहिए।'

मिजोरम में अधिकारियों ने सोमवार को बताया था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नए बैराबी-सैरांग रेलवे का उद्घाटन करने के लिए 13 सितंबर को मिजोरम का दौरा करेंगे। मिजोरम सरकार के कई अधिकारियों ने बताया कि उन्हें जानकारी मिली है कि प्रधानमंत्री आइजोल से मणिपुर जाएंगे, जो मई 2023 में राज्य में जातीय हिंसा भड़कने के बाद से उनकी पहली यात्रा होगी।

शरजील-उमर समेत दिल्ली दंगे के 10 आरोपियों को बड़ा झटका

- जेल में ही रहेंगे

नई दिल्ली. फरवरी 2020 में हुए दिल्ली दंगे के 10 आरोपियों को मंगलवार को हाई कोर्ट से बड़ा झटका लगा। दंगों की कथित साजिश से जुड़े यूएपीए मामले में अदालत ने शरजील इमाम, उमर खालिद जैसे आरोपियों को जमानत देने से इनकार कर दिया। शरजील इमाम और उमर खालिद के अलावा मोहम्मद सलीम खान, शिफा उर रहमान, अतहर खान, मीरान हैदर, शादाब अहमद, अब्दुल खालिद सैफी और गुलफिशा फातिमा की याचिकाओं को रद्द किया गया है और फिलहाल इन्हें जेल में ही रहना होगा। एक अन्य बेंच ने आरोपी तस्लीम अहमद की जमानत याचिका को खारिज कर दिया।

तस्लीम अहमद की जमानत याचिका पर जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद और जस्टिस हरीश वैद्यनाथन शंकर की पीठ ने आदेश पारित किया। वहीं, जस्टिस नवीन चावला और जस्टिस शालिंदर कौर की पीठ ने 9 आरोपियों की जमानत याचिका खारिज कर दी। बेंच ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद 9 जुलाई को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

जमानत के खिलाफ क्या थीं दलीलें

अभियोजन पक्ष ने जमानत याचिका का कड़ा विरोध करते हुए दलील थी कि यह सिर्फ और सिर्फ दंगों का मामला नहीं है बल्कि एक ऐसा मामला है जहां दंगों की साजिश पहले से ही एक भयावह मकसद और सोचे-समझे षड़यंत्र के साथ बनाई गई थी। अभियोजन पक्ष का प्रतिनिधित्व कर रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलील दी कि यह वैश्विक स्तर पर भारत को बदनाम करने की एक साजिश थी और केवल लंबी कैद जमानत का आधार नहीं हो सकती। उन्होंने दलील दी थी, 'अगर आप अपने देश के खिलाफ कुछ भी करते हैं, तो बेहतर होगा कि आप बरी होने तक जेल में ही रहें।'

KCR ने अपनी बेटी को ही पार्टी से निकाल दिया

हैदराबाद. तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने अपनी बेटी के कविता के खिलाफ बड़ा ऐक्शन लिया है। मंगलवार को उन्हें BRS यानी भारत राष्ट्र समिति से निलंबित कर दिया गया है। खबर है कि पार्टी के खिलाफ बयानबाजी के चलते उनके खिलाफ कार्रवाई की गई है। कुछ दिनों पहले ही कविता ने बीआरएस नेताओं पर ही केसीआर की छवि खराब करने के आरोप लगाए थे।

बीआरएस का कहना है कि कविता का मौजूदा व्यवहार और उनकी तरफ से की जा रहीं गतिविधियां पार्टी की छवि को खराब कर रही थीं, जिसके चलते पार्टी अध्यक्ष केसीआर ने तत्काल प्रभाव से कविता को निलंबित करने का फैसला किया है।

खास बात है कि 22 अगस्त को विदेश यात्रा के दौरान भी बीआरएस ने कविता के खिलाफ कार्रवाई की थी। उस दौरान उन्हें TBGKS यानी तेलंगाना बोग्गु गनी कर्मिका संगम के अध्यक्ष पद से अचानक हटा दिया गया था। उन्होंने पार्टी के नेताओं पर उनके खिलाफ साजिश करने के आरोप लगाए थे। साथ ही कहा था कि पद से हटाया जाना राजनीति से प्रेरित कदम था।

उन्होंने आरोप लगाए थे कि उनकी जानकारी के बगैर पार्टी ऑफिस में चुनाव हुआ, जो संभावित रूप से श्रम कानून का उल्लंघन करता है।

अफगानिस्तान में भूकंप से हाहाकार के बाद भारत ने बढ़ाया मदद का हाथ

- 1 हजार टेंट, राहत सामग्री भेजी

नई दिल्ली. अफगानिस्तान में रविवार देर रात को आए भूकंप का बाद तबाही का मंजर पसरा हुआ है। कई गांवों के तबाह होने की खबर है जो मलबे के नीचे दब गए हैं। अब तक 800 से ज्यादा लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, वहीं मौत का आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है। करीब 3 हजार से ज्यादा लोग घायल हैं। इस बीच संकट की घड़ी में भारत ने अफगानिस्तान के लिए मदद का हाथ आगे बढ़ाया है। भारत ने प्रभावित लोगों के लिए राहत सामग्री पहुंचाना भी शुरू कर दिया है।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोमवार को अफगानी समकक्ष अमीर खान मुत्ताकी से बातचीत की है और उन्हें भारत की ओर से अधिक से अधिक सहायता भेजे जाने का आश्वासन दिया है। जयशंकर ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, "अफगानिस्तान के विदेश मंत्री मावलवी अमीर खान मुत्ताकी से बात की। भूकंप में हुई जानमाल की हानि पर अपनी संवेदना जताई। उन्हें बताया गया है कि भारत ने आज काबुल में 1,000 परिवारों के लिए टेंट पहुंचाए हैं।" जयशंकर ने आगे बताया कि भारतीय मिशन काबुल से कुनार तक 15 टन खाद्य सामग्री भी तुरंत भेज रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जताया दुख

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अफगानिस्तान को हर संभव मदद का भरोसा दिया है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि भारत प्रभावित लोगों को हरसंभव मानवीय सहायता और राहत प्रदान करेगा। पीएम मोदी ने कहा, "अफगानिस्तान में भूकंप के कारण हुई जानमाल की हानि से बहुत दुखी हूं। इस कठिन घड़ी में हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं शोकसंतप्त परिवारों के साथ हैं। हम घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। भारत प्रभावित लोगों को हरसंभव मानवीय सहायता और राहत प्रदान करने के लिए तैयार है।"

टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट से मिचेल स्टार्क ने लिया संन्यास

- 2027 वनडे वर्ल्ड कप और एशेज पर फोकस करेंगे
- 2024 में खेला था आखिरी मुकाबला

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। 35 साल के स्टार्क ने यह फैसला टेस्ट और 2027 में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप पर फोकस करने के लिए लिया है। उन्होंने आखिरी टी-20 मुकाबला 2024 में वर्ल्ड कप में खेला था।

टी-20 करियर का शानदार सफर

स्टार्क ने 65 टी-20 इंटरनेशनल मैच खेले, जिनमें उन्होंने 79 विकेट लिए। वे ऑस्ट्रेलिया के लिए टी-20 में दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उनका बेस्ट परफॉर्मेंस 2022 में वेस्टइंडीज के खिलाफ (4 विकेट) रहा स्टार्क 2021 में UAE में हुए टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा रहे। उन्होंने कहा, 'मैंने ऑस्ट्रेलिया के लिए हर टी-20 मैच का लुत्फ उठाया, खासकर 2021 वर्ल्ड कप का, न सिर्फ जीत की वजह से, बल्कि उस शानदार टीम और उस दौरान की मस्ती की वजह से।'

टेस्ट और वनडे पर फोकस करेंगे

स्टार्क ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट हमेशा उनकी पहली प्राथमिकता रहा है। 2026 में ऑस्ट्रेलिया का टेस्ट शेड्यूल काफी व्यस्त है, जिसमें बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू सीरीज, साउथ अफ्रीका का दौरा, न्यूजीलैंड के खिलाफ चार टेस्ट मैचों की सीरीज, जनवरी 2027 में भारत में पांच टेस्ट, इंग्लैंड के खिलाफ मेलबर्न में 150वीं सालगिरह का एक स्पेशल टेस्ट, और फिर 2027 में इंग्लैंड में एशेज सीरीज शामिल है।

स्टार्क ने कहा, 'भारत में टेस्ट दौरे, एशेज और 2027 वनडे वर्ल्ड कप को देखते हुए, यह फैसला मुझे इन बड़े टूर्नामेंट्स के लिए तरोताजा और फिट रहने में मदद करेगा। साथ ही, इससे नई गेंदबाजी इकाई को अगले टी-20 वर्ल्ड कप की तैयारी का समय भी मिलेगा।'

AAP विधायक हिरासत से फिल्मी स्टाइल में फरार

- थाने लाते वक्त फायरिंग की, पुलिसकर्मी को कुचला

पंजाब की सनौर विधानसभा सीट से आम आदमी पार्टी (AAP) के विधायक हरमीत सिंह पठानमाजरा पुलिस हिरासत से फरार हो गए हैं। मंगलवार सुबह उन्हें हरियाणा के करनाल के डाबरी गांव से हिरासत में लिया था। पुलिस उन्हें पटियाला के रास्ते पंजाब के थाने ले जा रही थी, जहां रास्ते में पठानमाजरा और उनके साथियों ने पुलिसकर्मियों पर फायरिंग कर दी और गाड़ी चढ़ाने की कोशिश की, जिससे एक पुलिसकर्मी घायल हो गया।

पठानमाजरा और उनके साथी एक स्कॉर्पियो और एक फॉर्च्यूनर में फरार हो गए। इनमें से पुलिस ने फॉर्च्यूनर समेत एक युवक को पकड़ लिया है। फॉर्च्यूनर से 3 पिस्टल मिली हैं। पुलिस टीम स्कॉर्पियो में फरार विधायक का पीछा कर रही है।

हिरासत में लेने से पहले पठानमाजरा ने एक वीडियो जारी कर कहा था कि पंजाब पुलिस ने मेरी पूर्व पत्नी से जुड़े एक पुराने मामले में IPC की धारा 376 (रेप) के तहत केस दर्ज किया है। दिल्ली की AAP टीम पंजाब पर हावी होने की कोशिश कर रही है और मेरी आवाज दबाई जा रही है।

पठानमाजरा पर 2022 में उनकी दूसरी पत्नी ने पहली शादी छिपाने और मारपीट का आरोप लगाया था। इसके अलावा, एक कथित अश्लील वीडियो के वायरल होने के बाद भी वे सुर्खियों में रहे थे।

जोशीमठ के बाद चमोली का नंदानगर जमीन में समाने लगा

- 34 परिवारों ने घर छोड़ा, बाजार खाली
- जोशीमठ में भी 2 साल पहले भू-धंसाव हुआ था

चमोली. उत्तराखंड में जोशीमठ के बाद अब चमोली जिले का नंदानगर घाट पूरी तरह जमींदोज होने की कगार पर है।

पिछले हफ्ते हुई लगातार बारिश और भूस्खलन ने पूरे कस्बे की नींव हिला दी है। शुक्रवार देर रात हालात अचानक तेजी से बिगड़ने लगे हैं। देखते ही देखते 8 मकान ढह गए।

प्रशासन ने खतरा देखते हुए 34 परिवारों से घर खाली करवा दिए हैं। बाजार की 40 से दुकानों के भी ढहने का सीधा खतरा है। इसलिए इन व्यापारियों ने भी अपनी दुकानें खाली कर दी हैं।

कुछ ऐसा ही हाल जोशीमठ के घरों का भी था। जोशीमठ जनवरी 2023 में सुर्खियों में आया, जब अचानक लैंड स्लाइड की खबरें आने लगीं और 800 से ज्यादा घरों में मोटी-मोटी दरारें आ गईं।

जोशीमठ से भी प्रशासन ने करीब 181 इमारतों को खाली करा दिया था। दरारों वाले 678 घरों को लाल निशान लगाकर रहने के लिए खतरनाक बताया था।

लोगों का डर- बारिश हुई तो चट्टान कस्बे पर गिरेगी

नंदानगर व्यापार मंडल अध्यक्ष नंदन सिंह बिष्ट कहते हैं- सबसे बड़ा डर उस विशाल चट्टान का है, जो बाजार के ठीक ऊपर से खिसक रही है। स्थानीय लोग कह रहे हैं कि अगर यह अपने कुछ दिनों में टूटी तो करीब 150 दुकानें मलबे में तब्दील हो जाएंगी। अगले 5 दिन रेड अलर्ट के हैं और चट्टान खिसकती दिख रही है।

नेस्ले CEO की नौकरी गई

कर्मचारी के साथ रिलेशन में थे

- एस्ट्रोनॉमर CEO भी HR के साथ रोमांस करते वायरल हुए थे, इस्तीफा देना पड़ा

FMCG कंपनी नेस्ले ने अपने चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (CEO) लॉरेंट फ्रीक्स को नौकरी से निकाल दिया है। फ्रीक्स पर उनके ही एक साथी कर्मचारी के साथ अफेयर के चलते यह कार्रवाई की गई है।

कंपनी ने सोमवार को एक नोटिफिकेशन में बताया कि फ्रीक्स ने इस रिश्ते की जानकारी भी कंपनी को नहीं दी। यह नियमों का उल्लंघन है। कंपनी ने अब उनकी जगह सीनियर वाइस प्रेसिडेंट और नेस्ले के कॉफी स्ट्रैटजिक बिजनेस यूनिट के हेड फिलिप नवरातिल को नया CEO नियुक्त किया है।

इससे पहले एस्ट्रोनॉमर एंडी बायरन अपनी HR हेड के साथ एक कॉन्सर्ट में देखे गए थे। इसके बाद उन्हें इस्तीफा देना पड़ा था।

- कंपनी ने कहा- ये कार्रवाई जरूरी थी

नेस्ले ने कहा कि फ्रीक्स को निकालने का फैसला एक जांच के बाद लिया गया, जिसमें ये पता चला कि उनका अपनी डायरेक्ट सबऑर्डिनेट (PA) के साथ रोमांटिक रिश्ता था। इस जांच को कंपनी के चेयरमैन पॉल बल्के और लीड इंडिपेंडेंट डायरेक्टर पाब्लो इस्ला ने देखा, जिसमें बाहर के वकीलों की भी मदद ली गई। पॉल बल्के ने कहा, 'ये फैसला जरूरी था। नेस्ले के मूल्य और नियम हमारे लिए बहुत मायने रखते हैं।' मैं लॉरेंट को उनकी कई सालों की सेवा के लिए धन्यवाद देता हूं।'

लॉरेंट फ्रीक्स 40 साल से कंपनी में काम कर रहे थे

लॉरेंट फ्रीक्स को पिछले साल ही चीफ एग्जीक्यूटिव बनाया गया था। उस समय नेस्ले का स्टॉक 2022 की शुरुआत के मुकाबले करीब 40% गिर गया था। उस वक्त यूरोप और अमेरिका में वेट-लॉस ड्रग्स की वजह से लोगों की खाने की आदतें बदल रही थीं।

संक्षेप...

केला बेचने की आड़ में ड्रग्स की विक्री

मुंबई. मुंबई क्राइम ब्रांच की यूनिट-9 ने बांद्रा इलाके से एक बुजुर्ग को गिरफ्तार किया है, जो केले बेचने के ठेले की आड़ में ड्रग्स की तस्करी कर रहा था। आरोपी की पहचान 60 वर्षीय मोहम्मद अली अब्दुल गफ्फार शेख के रूप में हुई है। आरोपी के पास से 153 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद की गई है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 35.30 लाख रुपए बताई जा रही है। क्राइम ब्रांच को गुप्त सूचना मिली थी कि बांद्रा रेलवे स्टेशन के पास केले बेचने वाला एक ठेलेवाला असल में ड्रग्स बेचने का काम करता है। देर रात मोहम्मद अली को बांद्रा बस डिपो के पास महाराष्ट्रनगर रोड से गुजरते देखा गया। जब उसे रोका गया और उसके ठेले की जांच की गई, तो पुलिस को एक स्टील के डिब्बे में 153 ग्राम एमडी ड्रग्स मिली।

मनोज जरांगे ने खत्म किया अनशन

मराठा आरक्षण पर सरकार ने मानी जरांगे की आठ में से छह मांग, कुनबी प्रमाणपत्र के लिए बनेगी समिति

मुंबई. मराठा आरक्षण आंदोलन को लेकर महाराष्ट्र सरकार और आंदोलनकारी मनोज जरांगे पाटिल के बीच बड़ी सहमति बनी है। सरकार ने जरांगे की आठ में से छह मांगों को स्वीकार कर लिया है। इनमें मराठों को कुनबी प्रमाणपत्र देने की प्रक्रिया तेज करना, गांव स्तर पर समिति बनाकर पुराने दस्तावेजों की जांच, 1961 से पहले के भूमि अभिलेख उपलब्ध कराना और पात्रों को ओबीसी में आरक्षण का लाभ देना शामिल है। सरकार के जीआर जारी करने के बाद जरांगे ने इसे बड़ी जीत बताया।

जीआर जारी करने के साथ ही सरकार ने मराठा समुदाय को कुनबी जाति प्रमाणपत्र दिलाने की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए गांव-स्तरीय समितियां गठित करने की घोषणा की। यह फैसला मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता मनोज जरांगे पाटिल से हुई बातचीत के बाद लिया गया। सरकारी प्रस्ताव सामाजिक न्याय और विशेष सहायता विभाग ने जारी किया। इसमें कहा गया है कि हैदराबाद गजट में दर्ज ऐतिहासिक तथ्यों के आधार पर मराठाओं के दावे की जांच की जाएगी। यदि दस्तावेजों में किसी मराठा परिवार को कुनबी बताया गया है, तो उसे कुनबी प्रमाणपत्र देकर ओबीसी आरक्षण का लाभ दिया जाएगा।

मनोज जरांगे की मांग और आंदोलन

मनोज जरांगे लंबे समय से यह मांग कर रहे थे कि मराठा समुदाय

को कुनबी के तौर पर मान्यता दी जाए। कुनबी समुदाय महाराष्ट्र में ओबीसी श्रेणी में आता है और इस श्रेणी में आने से मराठाओं को सरकारी नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण मिल सकेगा। जरांगे ने मुंबई के आजाद मैदान में पांच दिन तक अनशन किया, जिसके बाद सरकार और आंदोलनकारियों के बीच सहमति बनी।

गांव-स्तरीय पैनल का गठन

जीआर में कहा गया है कि हर गांव में ग्राम सेवक, तलाठी और सहायक कृषि अधिकारी की समिति बनाई जाएगी। यह समिति आवेदकों के दस्तावेजों की जांच करेगी और योग्य पाए जाने वालों की रिपोर्ट संबंधित प्राधिकरण को सौंपेगी। समिति का काम समयबद्ध और पारदर्शी ढंग से करना होगा ताकि पात्र मराठाओं को कुनबी प्रमाणपत्र मिल सके।

मराठा आंदोलन पर क्या बोले मुख्यमंत्री?

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मराठा आरक्षण आंदोलन पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्हें खुशी है कि मनोज जरांगे का अनशन समाप्त हो गया है। उन्होंने कैबिनेट उपसमिति और दोनों डिप्टी सीएम, एकनाथ शिंदे व अजित पवार के प्रयासों की सराहना की। फडणवीस ने बताया कि आंदोलनकारियों की प्रमुख मांग हैदराबाद गजट लागू करने की थी, जिसे सरकार ने मान लिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आरक्षण किसी समूह को नहीं, बल्कि पात्र व्यक्ति को मिलता है। यदि किसी मराठा समाज के पूर्वज का नाम हैदराबाद गजट में कुनबी के रूप में दर्ज है, तो वही दस्तावेज उनके लिए प्रमाण बनेगा और उन्हें ओबीसी श्रेणी का लाभ मिलेगा।

पुराने रिकॉर्ड से होगी जांच

सरकार ने साफ किया है कि प्रमाणपत्र पाने के लिए आवेदकों को यह साबित करना होगा कि उनके परिवार या पूर्वजों के पास 21 नवंबर 1961 से पहले कृषि भूमि थी। इसके लिए पुराने राजस्व अभिलेख, भूमि रजिस्टर या अन्य सरकारी दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे। इन दस्तावेजों की जांच गांव-स्तरीय समिति करेगी और पात्रता तय करेगी।

महाराष्ट्र सरकार ने जुलाई 2023 में जाति प्रमाणपत्र नियमों में संशोधन कर पुराने दस्तावेजों को मान्य किया था। इसके बाद जुलाई 2024 में एक और जीआर जारी कर विभागों को पुराने रिकॉर्ड उपलब्ध कराने का आदेश दिया गया था। मंगलवार का जीआर इन्हीं फैसलों को आगे बढ़ाते हुए मराठा समुदाय के लिए एक स्थायी ढांचा तैयार करता है।

छठे वेतन आयोग की अंतर राशि के भुगतान के लिए 55 करोड़ फंड की मांग

भिवंडी मनपा आयुक्त ने प्रधान सचिव को लिखा पत्र

भिवंडी. भिवंडी मनपा प्रशासक, आयुक्त अनमोल सागर ने नगर विकास विभाग के प्रधान सचिव को पत्र लिखकर मांग की है कि भिवंडी मनपा अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए छठे वेतन आयोग की अंतर राशि का भुगतान करने के लिए राज्य सरकार 55.40 करोड़ रुपये का अलग से फंड उपलब्ध कराया जान जरूरी है.सरकारी निर्णय के अनुसार, सरकार ने महाराष्ट्र राज्य के नगर निगमों को 10 अगस्त 2009 से छठे वेतन आयोग के अनुसार संशोधित वेतनमान लागू करने का निर्देश दिया था. 27 अप्रैल 2011 को साधारण सभा ने कर्मचारियों के लिए छठे वेतन आयोग के वेतनमान को लागू करने की स्वीकृति प्रदान किए जाने के बावजूद मनपा की आर्थिक बदहाली के कारण करीब 14 वर्षों बाद भी कर्मचारियों को छठे वेतन आयोग के अंतर की राशि नहीं मिली है. कर्मचारी संगठन इस पर अड़े हुए हैं. इसके लिए समय-समय पर विरोध प्रदर्शन भी हुए हैं. जनप्रतिनिधियों और अधिकारी-कर्मचारी संगठनों ने नगर निगम प्रशासन को पत्र लिखकर राज्य सरकार से इस अंतर की राशि प्रदान करने के लिए दबाव बना रहे है. मनपा प्रशासन का कहना है कि,महानगर पालिका को सरकार से 33 करोड़ रुपये की मासिक सब्सिडी मिल रही है.करीब 33 करोड़ रुपये महानगर पालिका कर्मचारियों के वेतन पर और 10 करोड़ रुपये अन्य अनिवार्य खर्चों पर खर्च होते हैं, जिससे कुल 43 करोड़ रुपये प्रति माह का व्यय होता है.भिवंडी महानगर पालिका की राजस्व आय कम है. टैक्स वसूली का ग्राफ कम होने से मनपा प्रशासन शहर की मूलभूत सुविधाओं को प्रदान करने में भी भारी कठिनाई झेलता है. मनपा की खराब वित्तीय स्थिति को देखते हुए कार्यरत कर्मचारियों और सेवानिवृत्त कर्मचारियों को छठे वेतन की अंतर राशि का भुगतान करना कदापि संभव नहीं है.आयुक्त अनमोल सागर ने सरकार से मांग की है कि बकाया भुगतान के लिए आवश्यक 55.4 करोड़ रुपये की धनराशि मुहैया कराई जानी चाहिए.

भ्रष्ट ठेकेदारों को भुगतान, कर्मचारियों को बहाना

मनपा में कार्यरत कामगार यूनियन संगठनों का कहना है कि, मनपा प्रशासन के पास भ्रष्ट ठेकेदारों का भुगतान करने के लिए फंड है लेकिन कर्मचारियों का जमा पैसा देने को फंड नहीं है. अधिसंख्यक मनपा कर्मी रिटायर होने के बाद भी पैसा नहीं मिलने से दिक्कत झेल रहे हैं .मनपा यूनियनो से जुड़े प्रमुख पदाधिकारी भानुदास भसाले,महेंद्र कुंभारे, एलपी गायकवाड़, संतोष चव्हाण, श्रीपत तांबे, गुरुप्रसाद सिंह आदि ने मनपा की कार्यप्रणाली पर भारी नाराजगी व्यक्त करते हुए कर्मचारियों का लंबित भुगतान जल्द नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है.

40 वर्ष पुरानी इमारत के दूसरी मंजिल का स्लैब का एक हिस्सा अचानक ढह गया

ठाणे. शहर स्थित वागले प्रभाग समिति के अंतर्गत आने वाले किसन नगर नंबर 2 में 40 वर्ष पुरानी तिवारी सदन नामक इमारत जिसको मनपा ने सी 2 बी श्रेणी में घोषित किया है।इसका मरम्मत कार्य चल रहा था।दूसरी मंजिल के रूम नंबर 6 की मालिक रीता प्रकाश उपाध्याय के स्लैब का एक हिस्सा अचानक ढहने से खलबली मच गई।इस इमारत का बाकी हिस्सा भी जर्जर हालत में है।इसलिए इस पूरी इमारत को मनपा ने रह रहे 17 लोगों को खाली करवाकर मनपा स्कूल क्रमांक 23 में अस्थायी रूप से व्यवस्था किया

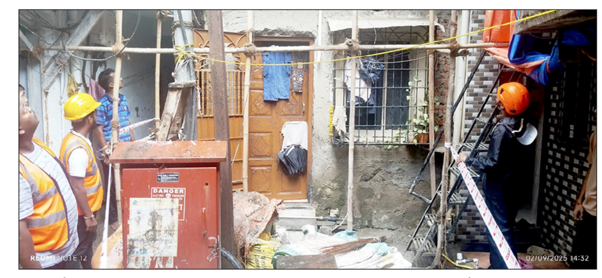

गया है।इस अवसर पर कार्यालय अधीक्षक (वागले वार्ड समिति), कनिष्ठ अभियंता (लोक निर्माण विभाग, वागले वार्ड समिति), आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ कर्मचारी एक पिकअप वाहन के साथ और अतिक्रमण विभाग के कर्मचारी घटनास्थल पर मौजूद थे।आपदा प्रबंधन विभाग के कर्मचारियों ने घटनास्थल पर बैरिकेडिंग कर दी है।लोक निर्माण विभाग, अतिक्रमण विभाग वागले एस्टेट वार्ड समिति के माध्यम से घटनास्थल पर आगे की कार्रवाई जारी है।

श्री कृष्ण मित्र मंडल द्वारा मुलुंड के आरएचबी रोड पर बीस फुट ऊंची बप्पा की एक मनमोहक मूर्ति स्थापित की गई है। पिछले 54 साल से गणेशोत्सव मनाया जा रहा है। बप्पा का दर्शन करते हुए समाज सेवक संतोष गुप्ता व अन्य।

धोखादायक इमारतों को तुरंत खाली करवाने के निर्देश

विरार में हुई इमारत दुर्घटना के बाद समीक्षा की गई

ठाणे. मनपा आयुक्त सौरभ राव ने निर्देश दिया है कि ठाणे मनपा क्षेत्र की 37 अत्यधिक खतरनाक इमारतों को निवासियों से बातचीत के बाद तुरंत खाली करवाया जाए।विरार में हुई इमारत दुर्घटना के बाद, ठाणे मनपा क्षेत्र की अत्यधिक खतरनाक इमारतों की फिर से समीक्षा की गई।शुक्रवार (29 अगस्त) शाम को हुई इस समीक्षा बैठक में, आयुक्त सौरभ राव ने स्पष्ट किया कि अत्यधिक खतरनाक इमारतों के निवासियों से बातचीत करके, उन्हें ऐसी इमारतों में रहने के खतरों के बारे में जानकारी देकर, इमारतों को जल्द से जल्द खाली करवाया जाए। उन्होंने सहायक आयुक्तों को भी निर्देश दिया है कि वे निवासियों से उन खतरनाक इमारतों के बारे में बातचीत करें जिन्हें तुरंत खाली करवाने और उनकी मरम्मत करवाने की आवश्यकता है।मनपा आयुक्त सौरभ राव के कार्यालय में आयोजित बैठक में अतिरिक्त आयुक्त प्रशांत रोडे, नगर नियोजन के सहायक निदेशक संग्राम कनाडे, उपायुक्त मनीष जोशी, उपायुक्त शंकर पटोले, उपायुक्त दिनेश तायड़े, उपायुक्त सचिन सांगले, उपनगरीय अभियंता सुधीर गायकवाड़, सभी वार्ड समितियों के सहायक आयुक्त और सभी कार्यकारी अभियंता उपस्थित थे।ठाणे मनपा क्षेत्र में कुल 93 अत्यधिक खतरनाक इमारतें हैं, जिनमें से 56 इमारतों को खाली करा दिया गया है। शेष 37 इमारतों में कुल 191 परिवार रहते हैं। मानसून से पहले से ही, क्षेत्रीय

उपायुक्त और सहायक आयुक्त निवासियों से संपर्क कर रहे हैं और उनसे इमारतें खाली करने का अनुरोध कर रहे हैं। मनपा इन इमारतों को खाली कराकर किसी को भी उनका कब्ज़ा नहीं सौंपेगी। आयुक्त राव ने यह भी स्पष्ट किया है कि निवासियों को इस बात में कोई संदेह नहीं होना चाहिए कि ये इमारतें निवासियों के कब्जे में ही रहेंगी।मानसून से पहले अपने-अपने क्षेत्रों की सभी अत्यधिक खतरनाक और जोखिम भरी इमारतों पर आवश्यक सूचना पट्ट लगा दिए गए थे। उन पट्टों को फिर से लगाया जाना चाहिए। साथ ही, खतरनाक इमारतों द्वारा दिए जाने वाले संकेतों की जानकारी हर घर में पर्चे के माध्यम से दी जानी चाहिए। निवासियों का एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर उस पर भी उन्हें यह जानकारी दी जानी चाहिए। आयुक्त राव ने कहा कि निवासियों को यह भी बताया जाना चाहिए कि इमारत में किसी भी प्रकार के मरम्मत कार्य के लिए नगर निगम की अनुमति आवश्यक है।सभी मंडल उपायुक्तों और सहायक आयुक्तों को अत्यधिक खतरनाक इमारतों में रह रहे निवासियों के साथ लगातार संपर्क में रहना चाहिए। उनसे इमारतें खाली करने का अनुरोध किया जाना चाहिए और उन्हें उनके कब्जे का आश्वासन दिया जाना चाहिए। राव ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि उन्हें इस बात से अवगत कराया जाना चाहिए कि अत्यधिक खतरनाक इमारतों में रहना जानलेवा हो सकता है।सी1 श्रेणी की अत्यधिक खतरनाक इमारतों को पूरी तरह से खाली कराना आवश्यक है। जबकि, सी2ए और बी श्रेणी की खतरनाक इमारतों की बड़े पैमाने पर मरम्मत की आवश्यकता है।

विसर्जन घाट के सच्चे संरक्षक प्रकाश कोटवानी!

27 वर्षों की निरंतर सेवा

ठाणे. भक्तों को बप्पा की विदाई में कोई परेशानी न हो₹ के एक ही मंत्र के साथ, समाजसेवी प्रकाश कोटवानी पिछले 27 वर्षों से ठाणे पूर्व के चेंदनी कोलीवाड़ा बंदरगाह स्थित विसर्जन घाट पर निरंतर सेवा प्रदान कर रहे हैं। चकाचौंध से दूर रहकर केवल भक्ति और सेवाभाव से काम करने वाले इस कार्यकर्ता ने आज इस घाट की सूरत बदल दी है।

1998-99 के आसपास यहाँ की स्थिति भयावह थी। नाग और घोंस जैसे ज़हरीले साँपों का डर, बप्पा की मूर्ति का कीचड़ में रौंदा जाना और उबड़-खाबड़ ज़मीन पर की जाने वाली अंतिम आरती, विसर्जन घाट की पहचान थी। हालाँकि, इन सबमें भक्तों की दुर्दशा देखकर कोटवानी ने निश्चय किया, ₹इस घाट को बदलना चाहिए!₹ कोटवानी ने बताया कि इसके लिए उन्हें दिवंगत ज़िला प्रमुख आनंद दिघे से बहुमूल्य मार्गदर्शन मिला था। बाद में, निरंतर प्रयासों से यहाँ पक्की सड़क, उचित व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था बनाई गई।

आज, चेंदानी कोलीवाड़ा बंदरगाह क्षेत्र में स्थित विसर्जन घाट मिनी चौपाटी के नाम से जाना जाने लगा है। प्रकाश कोटवानी कहते हैं कि उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने इस बदलाव में बहुत बड़ा योगदान दिया है। यहाँ भक्तों को मिलने वाली सभी सुविधाएँ, सुरक्षा का विश्वास और भक्ति भावना, यह सब उनके निरंतर योगदान के कारण ही संभव हो पाया है।

आज, स्थिति पूरी तरह बदल गई है। वाटरफ्रंट विकास के कारण, यह घाट ठाणे का एक प्रमुख विसर्जन घाट बन गया है। यहाँ डेढ़ दिन, पाँच दिन, गौरी-गणपति, सात दिन, ग्यारह दिन तक लगभग ढाई हज़ार मूर्तियों का विसर्जन किया जाता है।

जाह्नवी कपूर के हाथ लगा गोल्डन चांस

मां श्रीदेवी की इस मूवी के रीमेक में निभाएंगी ये किरदार?

जाह्नवी कपूर बॉलीवुड की वह स्टारकिड हैं, जिनके पास प्रोजेक्ट्स की कोई कमी नहीं है। 29 अगस्त को उनकी फिल्म 'परम सुंदरी' सिनेमाघरों में रिलीज हुई, जो ठीकठाक बिजनेस कर रही है। इस फिल्म के बाद जल्द ही उनकी 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' थिएटर में रिलीज होने वाली है। इन दो बड़ी फिल्मों के बीच अब जाह्नवी कपूर के हाथ एक ऐसा प्रोजेक्ट लगा है, जिसे करना शायद अनन्या से लेकर सारा और राशा हर किसी का ड्रीम होगा।

जाह्नवी कपूर को निभाने होंगे 2 किरदार

ग्लैमर गर्ल से लेकर सीधी सादी लड़की तक, जाह्नवी कपूर अभी तक फिल्मी पर्दे पर कई अलग-अलग किरदार निभा चुकी हैं। हालांकि, इस बार उनकी मेहनत भी डबल होगी और किरदार भी। अब तक तो आपको आइडिया लग ही गया होगा कि हम किस फिल्म की बात कर रहे हैं, अगर नहीं तो चलिए बता देते हैं कि जाह्नवी कपूर अपनी मां श्रीदेवी की जिस फिल्म का रीमेक करने जा रही हैं वह है साल 1989 में आई 'चालबाज'। फ्री प्रेस जर्नल की एक खबर के मुताबिक, 'चालबाज जाह्नवी कपूर के लिए महज एक फिल्म नहीं है, उससे कई ज्यादा है। ये उनके लिए एक इमोशन है। उनके पास जब ये ऑफर आया, तो उन्होंने बिना देरी किए ये मौका ले लिया। हालांकि, वह इस किरदार को निभाने के लिए पूरी सावधानी बरत रही हैं।

वाशी में सिंधी यूथ मंडल द्वारा चालीहा साहिब मेला

वाशी. नवी मुंबई के वाशी स्थित एपीएमसी में स्थानीय व्यापारियों व सिंधी यूथ मंडल द्वारा आयोजित पूज्य चालीहा साहेब पर्व आज 3 सितंबर 2025 को पूरा होने जा रहा है। इस चालीहा साहिब मेले में हमेशा की तरह उल्हासनगर के भाऊ लीलाराम झूलेलाल मंडली विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। यहां लंगर की जवाबदारी कमल फ्रूट वाला निभाते हैं।

मिली जानकारी के अनुसार एपीएमसी मार्केट में दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक गीत संगीत का कार्यक्रम होगा। भाऊ लीलाराम साहिब दोपहर को 3 बजे लाल साई की ज्योत जगाएंगे। उसके बाद मंडल द्वारा एपीएमसी मार्केट में बैंड बाजों के साथ विशेष झांकियां ढोल ताशों के साथ भव्य निकाली जाएगी। शाम 4 बजे से शुरू यह जुलूस वाशी स्थित सागर विहार

तालाब में समाप्त होगा। यहां पवित्र बहराणा साहेब झूलेलाल की आराधना के साथ विसर्जित किया जाएगा।

भाऊ लीलाराम मंडली ने लोगों से अपील की है कि उल्हासनगर के झूलेलाल मंदिर से दोपहर 12 बजे बसों की मुफ्त सेवा रखी गई है। जिन भक्तों को चालीहा साहेब में शामिल होना है वो बस की सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। हर साल की तरह इस वर्ष भी इसका आयोजन मंडल प्रमुख किशनचंद व हरेशलाल ने किया है। यहां शामिल होंगे भाऊ लीलाराम, हरगुन मूलचंदानी, मनोहर (टोनी), महेंद्र, रामचंद्र, नारायण, प्रवीण, सेवा में नरेशलाल कारीरा, कमल फ्रूट वाला, मोहनदास पमनानी, खुशी पमनानी, भोजराज आडवाणी, कमलेश कपिल ताराचंदानी, विजू रोचानी, गोपालदास मंगतानी, घनश्यामदास आडवाणी, भरत, संदीप आदि लोगों का समावेश है।

आम सूचना

इस आम सूचना द्वारा मैं श्रीमती इंदिरा भजनलाल मोटवाणी सभी को सूचित कर रही हूं कि मेरे पति श्री भजनलाल संगतमल मोटवाणी का देहांत 11 अक्टूबर 2024 को हो गया है. उनके नाम पर ऑटो रिक्शा नं. एमएच05 सीपी 1622 है और परमिट नं. 426/UNR जिसे अब मेरे नाम पर परिवर्तन करने के लिए कल्याण आर.टी.ओ. कार्यालय में आवेदन दे दिया है. उपरोक्त ऑटो रिक्शा पर किसी को किसी भी प्रकार की आपत्ति हो जैसे विक्री व्यवहार, खरीदी व्यवहार, गिरवी, दान बक्षीस, वारण, लीज तथा अन्य कोई लेन देन हो तो इस आम सूचना के प्रकाशित होने के 7 दिन के भीतर अपनी आपत्ती आर.टी.ओ. कार्यालय, कल्याण में दर्ज कराएं। अन्यथा रिक्शा नं. एमएच05 सीपी 1622 मेरे श्रीमती इंदिरा भजनलाल मोटवाणी के नाम पंजीकरण कर दिया जाएगा.

सही/-
श्रीमती इंदिरा भजनलाल मोटवाणी
बैरक नं. 53, रुम नं. 8-9,
पुलिस स्टेशन के पीछे, उल्हासनगर-1

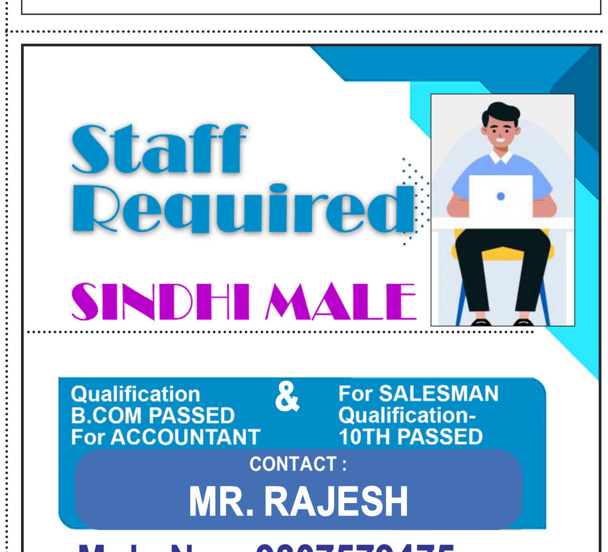

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099